PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 20 ● भिलाई, बुधवार 05 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दरगाह के पास कार्तिगई दीपम पर मद्रास हाई कोर्ट के आदेशों की जांच करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को मद्रास हाई कोर्ट के उन आदेशों की वैधता की जांच करने के लिए तैयार हो गया, जिसमें मदुरै में तिरुप्परनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास एक पत्थर के खंभे पर कार्तिगई दीपम जलाने की इजाजत दी गई थी. हालांकि, इस चरण पर उनके गतिविधियों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया. इस मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और विपुल एम पंचोली की बेंच ने की. बेंच ने तमिलनाडु सरकार की उस अपील पर नोटिस जारी किया जिसमें हाई कोर्ट के दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 के आदेशों को चुनौती दी गई थी. बेंच ने प्रतिवादियों से छह हफ्ते के अंदर अपने जवाब दाखिल करने को कहा है. बेंच ने इसके बाद राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया. सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेशों पर अंतरिम रोक लगाने की राज्य सरकार की दलील को मानने से इनकार कर दिया. सुनवाई के दौरान, बेंच ने राज्य से जून में अपील दाखिल करने के बाद सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने में देरी के बारे में पूछा.

दिल्ली के स्कूलों को फिर मिली बम की धमकी

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर से स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी का मामला सामने आया है. जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया. दिल्ली फायर पुलिस के मुताबिक कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई हैं. जानकारी मिलते ही तुरंत दमकल विभाग, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता की टीम पहुंच गई है. छानबीन की जा रही हैं. अभी यह कह पाना मुश्किल है कि कितने स्कूलों को यह धमकी भरे मेल प्राप्त हुए हैं . फिलहाल मौके पर स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई है और जांच में जुट गई है. धमकाए गए स्कूलों के परिसर की गहन जांच चल रही है शुरुआती मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्कूल सुरक्षा टीमें पूरे परिसर, कक्षाओं, बाथरूम और आसपास के क्षेत्रों की तलाशी ले रही हैं. दिल्ली पुलिस के अनुसार, अब तक की जांच में कुछ भी संदिग्ध या विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला है. पुलिस को यहां कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला.

आतंकी खतरे के बाद अब सीएम शुभेंदु को मिली बुलेटप्रूफ कार

कोलकाता। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जान का गंभीर खतरा सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा व अभेद्य बना दिया गया है। खुफिया इनपुट और सुरक्षा समीक्षा के बाद अब राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने मुख्यमंत्री को बुलेटप्रूफ गाड़ी की सेवा प्रदान कर दी है। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स से जुड़े सूत्रों के अनुसार, हाल ही में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ मिली बड़ी सफलता और जांच में सामने आए गंभीर सुरक्षा इनपुट के बाद यह फैसला लिया गया है।

रजिस्ट्रेशन में एक गलती और जाना पड़ेगा कोर्ट

जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र से जुड़ा बिल राज्यसभा में पास

नई दिल्ली। एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार को 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल 2026' ध्वनि मत से पास हो गया। इससे पहले यह बिल 31 जुलाई को लोकसभा में पास हुआ था। इस दौरान विपक्षी दलों ने लगातार नारेबाजी की और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग की। साथ ही उन्होंने अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को लेकर भी नारे लगाए। सरकार की तरफसे साफकिया कि एक साल तक के पंजीकरण की मौजूदा व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले की तरह जन्म या मृत्यु की सूचना 21 दिन के अंदर देने पर सामान्य रूप से रजिस्ट्रेशन होगा। लेकिन 21 दिन से लेकर एक साल तक की देरी होने पर तय नियमों के अनुसार विलंब शुल्क देकर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकेगा। सरकार का कहना है कि हर बच्चे का जन्म समय पर दर्ज होना जरूरी है, क्योंकि इसी आधार पर उसे शिक्षा, पहचान, सरकारी योजनाओं और अन्य कानूनी अधिकारों का लाभ मिलता है। इसी तरह मृत्यु का सही रिकॉर्ड भी प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए अहम होता है। नए संशोधन बिल के अनुसार एक साल से ज्यादा और 2 साल के अंदर जन्म या मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने के लिए जिला मजिस्ट्रेट, उप-मंडल मजिस्ट्रेट या उनकी ओर से नियुक्त किसी अधिकारी की इजाजत जरूरी होगी। अगर किसी जन्म या मृत्यु का पंजीकरण 2 साल से

अधिक की देरी से कराया जाता है, तो अब केवल न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद ही पंजीकरण कराया जा सकेगा। इसके अलावा, अनुमति देने से पहले संबंधित अधिकारी को दी गई जानकारी और दस्तावेजों की पूरी जांच करनी होगी, ताकि रिकॉर्ड सही और प्रमाणिक रहे। इस बिल का उद्देश्य 'जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969' के नियमों को और सख्त बनाना है। विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच बहस का जवाब देते हुए गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि कई सदस्यों ने प्रस्तावित कानून के महत्व को समझाया है और विपक्ष से इसके मकसद को समझने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यह पक्का करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देश में पैदा होने वाले हर बच्चे का पंजीकरण हो और हर मौत का रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि मरने वाले लोग 'घोस्ट वोटर' न बने रहें और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली पार्टियों को फायदा न पहुंचाएं। उन्होंने आरोप लगाया, 'कांग्रेस ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण के जरिए इस देश को धोखा दिया।' राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित होने के बाद दोपहर 2 बजे जब सदन की बैठक फिर से शुरू हुई। इस दौरान गृह राज्य मंत्री राय ने बिल पर विचार और उसे पास कराने के लिए प्रस्ताव पेश किया। शोर-शराबे के बीच बिल पर चर्चा हुई और बाद में मंत्री ने बहस का जवाब दिया।

रिजिजू बोले-राम भक्तों पर गोली चलाने वाला विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा है

संसद के मानसून सत्र का तीसरा हफ्ता जारी है। मानसून सत्र के 14वें दिन भी विपक्ष का हंगामा जारी हैं। इसके कारण संसद का मानसून सत्र हंगामे के भेंट चढ़ रहा है। पेपर लीट छात्रों पर लाठीचार्ज का मुद्दा, राम मंदिर चढ़ावा चोरी जैसे मामलों पर विपक्ष भारी हंगामा और विरोध प्रदर्शन कर रहा है। आज यानी यानी मंगलवार को भी विपक्ष ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर जमकर बवाल किया। इसके कारण राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच जोरदार बहस हुई। विपक्ष के हंगामे के कारण राज्यसभा की कार्यवाही करीब आधे घंटे हंगामे के बाद 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट बाद ही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी का मुद्दा उठाते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था.

उदयनिधि स्टालिन की गिरफ्तारी पर रोक

हाईकोर्ट बोला-सवाल पूछने के बाद छोड़ दो

नई दिल्ली। तमिलनाडु में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को निर्देश दिया है कि उदयनिधि को आज पूछताछ के बाद रिहा कर दिया जाए। कोर्ट ने उदयनिधि को स्टेशन बेल देने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने उदयनिधि स्टालिन को साथ ही यह भी निर्देश दिया कि जब भी जरूरत हो, वो जांच में सहयोग करें। बता दें कि इससे पहले खुद तमिलनाडु के एडवोकेट जनरल विजय नारायण ने मद्रास हाई कोर्ट को कहा कि छत्रू विधायक उदयनिधि स्टालिन को अरेस्ट

तो किया गया है, लेकिन पूछताछ के बाद उनको छोड़ दिया जाएगा। विजय नारायण ने अदालत को जानकारी दी कि उदयनिधि स्टालिन को रिमांड पर लेने की कोई मनशा नहीं है और पूछताछ के बाद उनको जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा।

राम मंदिर चंदा और जमीन खरीद विवाद

डिंपल यादव और सपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन,निष्पक्ष जांच की मांग..

नई दिल्ली। संसद परिसर में समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसदों ने राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा और जमीन खरीद में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी दलों के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सपा सांसद डिंपल यादव, अवधेश प्रसाद और अन्य नेताओं ने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और संसद में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की मांग की। विपक्ष का आरोप है कि राम मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे, दान और भूमि खरीद में गंभीर वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं, जिनकी जांच अब तक पूरी नहीं हुई। डिंपल यादव ने दावा किया कि पहले गठित जांच समिति के बावजूद दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने जमीन खरीद में कथित मूल्य अंतर और चढ़ावे के उपयोग पर सवाल उठाते हुए पारदर्शिता की मांग की। वहीं, सपा सांसद राजीव राय ने उपचुनाव परिणामों का हवाला देते हुए सरकार पर जनता की आवाज दबाने का आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों पर सरकार या संबंधित ट्रस्ट की ओर से इस

खबर में कोई प्रतिक्रिया शामिल नहीं है। डिंपल यादव ने पत्रकारो से बात करते हुए कहा कि दो वर्ष पहले जांच के लिए समिति बनाई गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए की जमीनों की खरीद-फरोख्त में भारी मूल्य अंतर देखा गया। 2 करोड़ रुपए की जमीन 16 करोड़ रुपए में और 5 करोड़ रुपए की जमीन 23 से 30 करोड़ रुपए तक में खरीदी गई। इस अतिरिक्त राशि का लाभ आखिर किसे मिला और यह पैसा किन खातों में गया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि जांच समिति के पास पर्याप्त तथ्य और साक्ष्य थे तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई। डिंपल यादव ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था और देश की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा विषय है। इसलिए मंदिर के नाम पर लोगों द्वारा श्रद्धा से दिए गए।

इस्तीफा स्वीकार करने में मिनट भी नहीं लगाऊंगा

आज राजनीति में सब्र रखना बेहद जरूरी-सीएम डीके शिवकुमार.....

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्नाटक में कैबिनेट विस्तार के बाद कांग्रेस के भीतर असंतोष खुलकर सामने आ गया है। कई सीनियर नेताओं और विधायकों ने मंत्री पद नहीं मिलने पर नाराजगी जताई है। इस पर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने साफ कहा कि अगर कोई विधायक इस्तीफा देना चाहता है तो वह उसे कुछ ही मिनटों में स्वीकार कर लेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति पार्टी से बड़ा नहीं है और सभी नेताओं को धैर्य रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अपने नए मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे अगले ही दिन से सूखा प्रभावित

जिलों का दौरा शुरू करें और अधिकारियों के साथ मिलकर राहत कार्यों की निगरानी करें। सोमवार को 20 नए विधायकों ने मंत्री पद की शपथ लेकर मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया था। डीके शिवकुमार ने अपने राजनीतिक जीवन का उदाहरण देते हुए भी नाराज विधायकों को समझाया था। सोमवार को उन्होंने कहा कि उन्हें भी कई बार उपेक्षा झेलनी पड़ी, लेकिन कभी पार्टी नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा कि वीरेंद्र पाटिल के दौर में एस. बंगारप्पा और धरम सिंह को भी शुरुआत में अवसर नहीं मिला था, लेकिन बाद में वे मुख्यमंत्री बने। शिवकुमार ने घोषणा की कि सभी बोर्ड और निगमों का फिर से गठन किया जाएगा। पहले पार्टी कार्यकर्ताओं को इनमें जिम्मेदारियां दी जाएंगी, उसके बाद असंतुष्ट विधायकों से बातचीत होगी। इस बीच, कर्नाटक कांग्रेस के भीतर असंतोष को शांत करने के प्रयास भी तेज हो गए हैं।

दिल्ली के टॉप नेताओं व केंद्रीय मंत्रियों पर थी जानलेवा आतंकी हमले की योजना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बर्द्धमान जिले की एक पॉश आवासीय सोसायटी में सामान्य नागरिक की तरह रह रहे संदिग्ध आतंकी हमीम मंडल और उसकी महिला मित्र अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ की शुरुआती पूछताछ और जांच में खुलासा हुआ है कि यह नेटवर्क पाकिस्तान आधारित शहजाद भट्टी गैंग के सीधे संपर्क में था और दिल्ली के शीर्ष नेताओं व केंद्रीय मंत्रियों पर जानलेवा हमले की बड़ी साजिश रच रहा था। एसटीएफ के आईजी गौरव शर्मा ने बताया कि धृत हमीम मंडल को हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी अशांति फैलाने का निर्देश दिया गया था।

विदेशों में छिपे भगोड़ों पर मोदी सरकार का एक्शन!

36 देशों से 274 अपराधी लाए गए भारत,हजारों करोड़ जब्त...

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने भगोड़े अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए 2019 से अब तक 36 देशों से 274 वांछित अपराधियों को भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। खुफिया सूचनाओं, आधुनिक तकनीक और विभिन्न एजेंसियों के समन्वय पर आधारित एक मजबूत तंत्र विकसित कर विदेशों में छिपे अपराधियों को भारत लाने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हुई है। सरकार का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और वैश्विक स्तर पर

समन्वित प्रयासों के कारण अब विदेशों में शरण लेकर कानूनी कार्रवाई से बच पाना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। केंद्र सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। सरकार की ओर से वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति बनाई गई। गृह मंत्री अमित शाह ने भगोड़े अपराधियों के मुद्दे को देश की संप्रभुता, आर्थिक स्थिरता, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ बताया। केंद्र सरकार 2019 में एनआईए संशोधन अधिनियम और यूएपीए संशोधन अधिनियम लेकर आई और 2020 के बाद भगोड़ों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया को 'मिशन मोड' में आगे बढ़ाया गया। इससे कार्रवाई केवल संगठनों तक सीमित नहीं रही बल्कि व्यक्तिगत आतंकी, हैंडलर्स, फंडिंग नेटवर्क और विदेशों में बैठे सपोर्ट सिस्टम तक कार्रवाई का दायरा बढ़ा।

फुकेट से आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में हुआ तेज टर्बुलेंस,कई यात्री घायल

हादसे में किसी का कान फटा और किसी का कंधा खिसका

नई दिल्ली/ एजेंसी

एअर इंडिया की थाइलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रही फ्लाइट खतरनाक टर्बुलेंस का शिकार हो गया. विमान जोर-जोर से हिलने लगा जिससे कई यात्री डर गए. टर्बुलेंस इतना भयानक था कि कई यात्री घायल हो गए. इस कारण किसी कान में तो किसी को गर्दन में चोटें आई हैं. फ्लाइट के भीतर पैदा हुए प्रेशर ने यात्रियों पर बुरा असर डाला. एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2379 के यात्रियों के लिए यह सफर जिंदगी का सबसे डरावना अनुभव बन गया. ासमान में अचानक हुए भयंकर टर्बुलेंस के कारण विमान में अफरा-तफरी मच गई और करीब 12 यात्री घायल हो गए. एअर इंडिया ने ये जानकारी दी है कि कई एंबुलेंस एयरपोर्ट से घायलों को अस्पताल ले गई हैं. एअर इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि 4 अगस्त को फुकेट से दिल्ली आ रही फ्लाइट एआई 2379 उड़ान को दौरान कुछ समय के लिए टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा. इससे विमान की ऊंचाई में थोड़े समय के लिए बदलाव हुआ. विमान के अचानक तेजी से नीचे गोता लगाने और केबिन के भीतर बने भारी दबाव के कारण यात्रियों को गंभीर शारीरिक चोटें आईं. एक यात्री के भाई ने कहा कि उनके भाई इसी फ्लाइट में थे. उड़ान के दौरान ऊंचाई पर अचानक टर्बुलेंस होने लगा, जिससे फ्लाइट तेजी से नीचे आ गई. फ्लाइट के भीतर पैदा हुए प्रेशर के कारण उनके कान मे इंजरी हुई है. इतनी तेज नीचे

आने से उनका कान का पर्दा फट गया है. वहीं, एक अन्य यात्री ने भी कंधे में तेज झटका लगने की बात कही है. झटके लगने की वजह से उनके कंधे में गंभीर चोट आई और वह खिसक गया. हालांकि, पायलटों ने अपनी असाधारण सूझबूझ और कौशल का परिचय देते हुए आखिरकार विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया. जिससे सभी ने राहत की सांस ली. एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है और मामले की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग किया जा रहा है. एयर इंडिया ने आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया है कि 4 अगस्त को फुकेट से दिल्ली आ रही उड़ान संख्या एआई2379 करूज के दौरान अचानक हवा में टर्बुलेंस यानी भारी हलचल का शिकार हो गई। इस तकनीकी और प्राकृतिक घटना के कारण विमान की ऊंचाई में थोड़े समय के लिए बदलाव दर्ज किया गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विमान ने दिल्ली में पूरी तरह से सुरक्षित लैंडिंग की है और सभी यात्री व करू मेंबर विमान से सुरक्षित उतर चुके हैं।

मामूली घायलों को एहतियात के तौर पर भेजा गया अस्पताल

एयर इंडिया ने स्पष्ट किया है कि इस घटना में फिलहाल किसी के भी गंभीर रूप से घायल होने की कोई खबर नहीं है। हालांकि, कुछ यात्रियों और करू मेंबर्स को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें मेडिकल जांच की आवश्यकता थी। एयर इंडिया की एयरपोर्ट टीम और मेडिकल कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इन सभी को एहतियातन परीक्षा और देखभाल के लिए हवाई अड्डे पर ही स्थित मेडिकल फैसिलिटी में भेज दिया है। एयरलाइन प्रबंधन का कहना है कि यात्रियों और करू मेंबर्स की सुरक्षा और भलाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। एयर इंडिया प्रभावित होने वाले सभी लोगों को हरसंभव और आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। इसके साथ ही, इस पूरी घटना की सच्चाई सामने लाने और नियमों के पालन के लिए एयरलाइन संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर पूरी तरह से जांच में सहयोग कर रही है।

वन बैरियर फेल, डायल-112 ने पकड़ी सागौन तस्करी, तलवार संग घूमते वन माफियाओं से सुरक्षा पर सवाल

कवर्धा/पंडरिया। उप वनमंडल पंडरिया के पूर्व परिक्षेत्र अंतर्गत कक्ष क्रमांक 511, कामठी में पकड़ी गई सागौन तस्करी की घटना ने वन विभाग की निगरानी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। जंगलों की सुरक्षा के लिए बनाए गए वन बैरियर, गश्ती दल और चौकसी व्यवस्था उस समय सवालों के घेरे में आ गई, जब बहुमूल्य सागौन से भरा वाहन रहमानकापा और मैनपुरा वन बैरियर पार करते हुए रेहुटा तक पहुंच गया, लेकिन वन विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि पूरे मामले का खुलासा वन विभाग ने नहीं, बल्कि डायल-112 की सतर्कता से हुआ। जानकारी के अनुसार डायल-112 की टीम ने संदिग्ध वाहन को पकड़कर वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग पंडरिया पश्चिम, पंडरिया पूर्व तथा वन विकास निगम पंडरिया के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। पंडरिया पश्चिम के परिक्षेत्र अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए 38 नग सागौन लट्ठा, 5 नग आरा तथा 1 नग तलवार जब्त कर वन अपराध का प्रकरण दर्ज किया गया। विभाग ने मामले की जांच जारी होने की बात कही है। यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है। यदि जंगलों से निकलने वाला वाहन दो-दो वन बैरियर पार कर सकता है, तो उन बैरियरों का उद्देश्य क्या है। क्या वहां वाहनों की जांच नहीं होती या फिर जांच केवल कागजों तक सीमित है? यदि डायल-112 सक्रियता नहीं दिखाता, तो क्या यह बहुमूल्य लकड़ी आसानी से अपने ठिकाने तक पहुंच जाती? सबसे चौंकाने वाला तथ्य जब्त सामग्री में एक तलवार का मिलना है। इससे साफ संकेत मिलता है कि वन माफिया अब केवल चोरी-छिपे नहीं, बल्कि हथियारों के साथ जंगलों में सक्रिय हैं। तलवार की बरामदगी यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर तस्करों को हथियार लेकर चलने की जरूरत क्यों पड़ रही है? क्या उन्हें कानून का भय नहीं रहा? क्या वे वन अमले या किसी विरोध का सामना करने की तैयारी से निकलते हैं? यह स्थिति वन विभाग की सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी मानी जा रही है। वन विभाग हर वर्ष वन सुरक्षा, गश्ती, बैरियर संचालन और अवैध कटाई रोकने के लिए बड़ी राशि खर्च करता है। इसके बावजूद यदि सागौन जैसी बहुमूल्य लकड़ी बिना रोक-टोक बैरियर पार कर जाती है, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि पूरे निगरानी तंत्र की विफलता को दर्शाता है। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि क्षेत्र में लकड़ी तस्करी की शिकायतें पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई के अभाव में तस्करों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इस पूरे मामले में केवल लकड़ी जब्त करना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि वाहन किन रास्तों से निकला, बैरियरों पर उस समय कौन कर्मचारी ड्यूटी पर थे, वाहन की जांच क्यों नहीं हुई और क्या इस पूरे घटनाक्रम में किसी स्तर पर गंभीर लापरवाही या मिलीभगत रही है। यदि जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय नहीं हुई, तो ऐसी घटनाएं भविष्य में भी दोहराई जाती रहेंगी। वन विभाग ने जांच जारी होने की बात कही है, लेकिन अब जनता की निगाह इस बात पर है कि जांच का दायरा केवल तस्करों तक सीमित रहेगा या फिर वन बैरियरों की कार्यप्रणाली और वहां तैनात कर्मचारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच होगी। क्योंकि जब वन माफिया 38 सागौन लट्ठे, 5 आरा और तलवार के साथ बेखौफ घूमते हुए दो-दो वन बैरियर पार कर जाएं और विभाग को इसकी जानकारी भी न हो, तब यह घटना केवल तस्करी का मामला नहीं रह जाती, बल्कि वन सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर कमजोरी और निगरानी तंत्र की विफलता की कहानी भी बयां करती है।

गांव के बैठक में चयन कर लिया नया कोटवार, पूर्व कोटवार के परिजन की नियुक्ति से परहेज

पुर्व कोटवार के परिजन को नियुक्ति नहीं देने ज्ञापन

डोंगरगांव नगर। अनुभाग के अंतर्गत ग्राम कलडबरी में रिक्त शासकीय कोटवार के पद में नई भर्ती के लिए ग्रामीणों ने बैठक कर नया कोटवार चुन लिया है। वहीं ग्रामीणों ने गांव के पुर्व कोटवार के परिवार से किसी को भी कोटवार नहीं बनाने लामबंद हो गए हैं। ग्रामीणों ने अपने पसंद के व्यक्ति को कोटवार नियुक्त करने की मांग को लेकर एसडीएम डोंगरगांव को हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा है। अंचल के ग्राम कलडबरी के लगभग 100 से अधिक ग्रामीणजन सोमवार को अनुभाग मुख्यालय डोंगरगांव नगर पहुंचे थे। इनमें काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं। कलडबरी के ग्राम पटेल, पुरुषोत्तम निर्मलकर, किशोर साहू, दीपक कुमरे, देवकुमार साहू, विष्णु साहू सहित अन्य ग्रामीणों ने एसडीएम अनिकेत साहू को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि गांव में कोटवार का पद रिक्त है, जिसके लिए पुर्व कोटवार के परिवार के सदस्य द्वारा कोटवार बनने आवेदन प्रस्तुत किया है, लेकिन वे सभी ग्रामीणों ने गांव में बैठक कर अपने पसंद व आवश्यकता मुताबिक उदयराम नायक पिता मेघनाथ नायक को कोटवार चयन कर लिया है। ग्रामीणों ने पुर्व कोटवार के परिवार की ओर से प्रस्तुत आवेदन के मुताबिक कोटवार नियुक्त नहीं करने एवं गांव में बैठक में निर्णय कर चयन किए गए व्यक्ति को ही शासकीय कोटवार नियुक्त करने की मांग की है।

प्रथम सोमवार को शिवनाथ नदी में उमड़े कांवड़ यात्री, कांवड़ यात्रा में शामिल हुए जनप्रतिनिधि व समाजसेवी

सावन मास में शिवनाथ नदी के जल से किया अभिषेक

डोंगरगांव नगर। नगर में श्रावणमास दरम्यान देवाधिदेव महादेव की भक्ति का दौर प्रारंभ हो चुका है। प्रथम सोमवार को प्रातः 6 बजे से साकेतधाम स्थित शिवमंदिर एवं वार्ड 14 स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर से कांवड़ यात्रा निकाली गई।महाकाल भक्तों ने शिवनाथ नदी से जल लेकर मटिया वार्ड स्थित महाकाल मंदिर एवं साकेतधाम स्थित शिवमंदिर में जलाभिषेक किया। श्रावण मास के मद्देनजर प्रथम सोमवार को वार्ड 12 साकेतधाम एवं वार्ड 14 मटिया से कांवड़ यात्रा प्रातः 7 बजे जय महाकाल, बोल बम के उद्घोष के साथ निकाली गई। डीजे में सुमधुर भजनों के साथ कांवड़ यात्रा में बच्चे धर्म प्रचार की कमान थामते हुए चल रहे थे। दोनों ही दल के लगभग 2 सौ से अधिक कांवड़ यात्रियों ने शिवनाथ से जल लेकर महाकाल का जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्रियों को प्रोत्साहित करने के लिए नगर के प्रमुख जनप्रतिनिधिगण भी सम्मिलित हुए थे। कांवड़ यात्रा में पुर्व नपंअध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गुप्ता, नपाध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, पार्षदगण पुरुषोत्तम साहू व पद्मनी ठाकुर भी सम्मिलित हुए। उक्त यात्रा का मार्गदर्शन शिवमंदिर से एनके लहरे, हेमंत यदु, केशव साहू तथा मटियावार्ड 14 महाकाल मंदिर से पूसउ पटेल, नूतन साहू, तोरण साहू, एलन साहू, यशवंत साहू सहित 150 से अधिक युवा व बच्चे शामिल थे।

राजहरा खदान में राजभाषा पखवाड़ा-2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह का गरिमामय आयोजन

दल्लीराजहरा। लौह अयस्क खदान समूह, राजहरा में आयोजित राजभाषा पखवाड़ा-2025-26 के अंतर्गत विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन प्रशासनिक भवन सभागार, राजहरा खदान में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात हिंदी प्रतिज्ञा का सामूहिक वाचन नितेश छत्री द्वारा किया गया तथा राजभाषा समन्वय अधिकारी विनीत कुमार सिन्हा द्वारा स्वागत भाषण के साथ राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आर.बी.गहरवार, मुख्य महाप्रबंधक (खदान), जय प्रकाश, महाप्रबंधक प्रभारी-सह-अभिकर्ता, राजहरा यंत्रीकृत खदान, मायाराम ठाकुर, महाप्रबंधक प्रभारी (अनुरक्षण एवं सेवाएँ) बिपिन कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी-सह-अभिकर्ता, दल्ली यंत्रीकृत खदान तथा अरुण कुमार, महाप्रबंधक प्रभारी-सह-अभिकर्ता (महामाया-दुलकी-कलवर खदान) उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल देते हुए राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवैधानिक दायित्व ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक कार्यों को अधिक सरल, सहज एवं प्रभावी बनाने का माध्यम भी है। राजभाषा पखवाड़ा-2025-26 में राजहरा, दल्ली, कलवर, महामाया, झरनदल्ली, हिर्री, नंदिनी तथा कुटेश्वर खदान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को समारोह में प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। विजेता प्रतियोगियों की सूची में अश्विन हरिदास पाटिल (क्विज-प्रथम), राम कापरे, (निबंध-तृतीय), प्रवीण कुमार राय, (भाषण-प्रथम), आर.के. गर्ग ,(क्विज-तृतीय, निबंध-प्रथम, चित्र कहानी- द्वितीय), दुर्गेश कुमार मजगहे, (निबंध-द्वितीय), महेश खोडके, (भाषण-तृतीय), अतुल मेश्राम, (काव्य-सांत्वना), मयंक दुबे, (काव्य-तृतीय), आशीष कुमार यादव, (काव्य-द्वितीय), पेड्डी महेश,(क्विज-सांत्वना), आर.के. चौबे,(क्विज-द्वितीय), संतोष कुमार ठाकुर (चित्र कहानी- तृतीय, भाषण- सांत्वना), ईश्वर लाल डडसेना, (निबंध-सांत्वना, काव्य-प्रथम, चित्र कहानी-प्रथम), बबलू प्रसाद, (चित्र कहानी-सांत्वना), सुबीर कुमार मंडल, (भाषण-द्वितीय) रहे। समारोह के दौरान तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के निर्णायकों बीरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक एवं राम कापरे, उप महाप्रबंधक का भी सम्मान किया गया। अंत में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ओर से शुक्ला द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन एस.अंसारी ने किया तथा धनराज साहू एवं नागेश जैन ने कार्यक्रम में योगदान किया। समारोह ने यह संदेश दिया कि राजभाषा हिंदी के संवर्धन एवं कार्यालयीन कार्यों में उसके प्रभावी प्रयोग हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तथा ऐसे आयोजन हिंदी के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पीएम मोदी ने किया नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का देशव्यापी शुभारंभ

गरियाबंद में स्कूली बच्चों ने निकाली नशा मुक्ति रैली, पार्षद सुरेंद्र सोनटेके ने दिलाई शपथ

गरियाबंद। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम, खेल मंत्रालय एवं माय भारत तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग गरियाबंद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को देशव्यापी नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत गांधी मैदान गरियाबंद में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं को नशे की लत से दूर रखकर एक स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने हाथों में तख्तियां लेकर और नशा मुक्त भारत के नारे लगाते हुए रैली निकाली। रैली के माध्यम से युवाओं और आम जनता को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद गरियाबंद के पार्षद सुरेन्द्र सोनटेके रहे। उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं और नागरिकों को जीवन में कभी भी नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की नशामुक्त शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखकर ही एक विकसित भारत का निर्माण संभव है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के पार्षद संदीप सरकार और रेणुका साहू सहित ब्लॉक नोडल संजीव साहू उपस्थित थे। नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे नशामुक्त समाज की स्थापना के लिए इस संकल्प अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ें। शासकीय वीर सुरेन्द्र साय महाविद्यालय की सक्रिय भागीदारी इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के सीधे प्रसारण और संकल्प अभियान में शासकीय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी उद्बोधन को सुना तथा विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहेंगे, बल्कि अपने आस-पास के समाज और ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता फैलाकर लोगों को नशामुक्त भारत अभियान से जोड़ेंगे।

जल भराव क्षेत्र, निकासी व्यवस्था सुधारने की जाएगी हर संभव कवायद: विजय मोटवानी

- विमल टाकिज रोड के बरसाती पानी भराव की सुध लेने पहुंचे निगम पीडब्ल्यूडी अध्यक्ष

धमतरी। नगर निगम क्षेत्र के व्यापारिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण व्यापार का केंद्र बिंदु माने जाने वाले आमापारा सहित बालक चौक के आसपास के क्षेत्र को बरसात के पानी के भराव की वर्षों से आ रही समस्या से निजात दिलाकर, शहर के हृदय स्थल में स्थित मकई तालाब को लबालब करते हुए जल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण फाउंडर कार्य करने के पश्चात नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी अन्य क्षेत्र में भी विशेषज्ञों तथा इंजीनियरों की राय लेकर जल भराव से छुटकारा प्रदान करने हेतु विशेष कदम उठा रहे हैं। रविवार के दिन मोटवानी अपने सहयोगी पार्षदगण मेघराज ठाकुर एवं पिंटू यादव के साथ रिसाई पारा पूर्व वार्ड में रत्नाबांधा चौक से देवश्री टॉकीज चौक की ओर निर्माणाधीन निकासी नाली का निरीक्षण करते हुए संबंधित ठेकेदार एजेंसी एवं साइड इंजीनियर को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि पानी के बहाव के अनुरूप समुचित ढाल के साथ.साथ नाली के चौड़ाई एवं थिकनेस को भी उचित मापदंड पर रखा जावे जिससे बरसात के पानी का बहाव सुविधाजनक तथा समुचित रूप से आगे की ओर बढ़ सके जिससे थोड़ी सी बारिश में भी सड़कों पर आने वाली पानी के परेशानी से लोगों को छुटकारा मिल सके। गौरतलब है कि उक्त नाली का निर्माण लगभग 24 लाख रुपए की लागत से वार्डवासियों की बहुप्रतीक्षित समस्या को ध्यान में रखते हुए नगर विकास के कार्यों को जीरो टॉलरेंस के पुनीत उद्देश्य को लेकर समर्पित भाव से करने वाले महापौर रामू रोहरा द्वारा पार्षद मेघराज ठाकुर के मांग पर तत्काल स्वीकृति देते हुए अविलंब कार्य को प्रारंभ करवाया गया है जिस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए विभागीय अध्यक्ष विजय मोटवानी पूरी सक्रियता एवं सजगता के साथ सतत प्रयासरत हैं। मोटवानी ने एक चर्चा में बताया कि 50 वर्ष के जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान आमापारा में होने के पश्चात इस सफल मॉडल को शहर के अन्य क्षेत्र में भी लागू करते हुए बरसात के दिनों में होने वाले पानी की समस्या तथा निकासी की व्यवस्था करने के लिए प्रयासरत रहेंगे।

अर्जुंदा में ब्लॉक कांग्रेस की संयुक्त मासिक बैठक, घर-घर अभियान चलाकर आवेदन जुटाने और जिला बिजली कार्यालय घेराव का ऐलान

बिजली दर वृद्धि, स्मार्ट मीटर और भाजपा के विरोध में कांग्रेस का चरणबद्ध आंदोलन, विधायक के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर एफआईआर की मांग

बालोद। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अर्जुंदा एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवरी की संयुक्त मासिक बैठक विधायक कार्यालय अर्जुंदा में आयोजित हुई। बैठक में बिजली दरों में वृद्धि वापस लेने, 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना को पुनः लागू करने तथा स्मार्ट मीटर हटाने की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अर्जुंदा के अध्यक्ष जीवन बंदे ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता बूथ एवं पंचायत स्तर तक पहुंचकर घर-घर आवेदन और विरोध पत्र भरवाएंगे। एकत्रित आवेदन जिला बिजली कार्यालय के घेराव के दौरान जमा किए जाएंगे, जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। बैठक में भाजपा युवा मोर्चा अर्जुंदा मंडल अध्यक्ष नवीन राजपूत से जुड़े विवाद और गुंडरदेही विधायक कुंवर सिंह निषाद के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी एवं पुतला दहन की घटना की कांग्रेस नेताओं ने कड़ी निंदा की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं द्वारा विधायक के विरुद्ध भ्रामक एवं बेबुनियाद आरोप लगाए गए हैं तथा पूरी कांग्रेस पार्टी विधायक के समर्थन में मजबूती से खड़ी है।

आम उपभोक्ताओं पर बढ़ा हैं आर्थिक बोझ–जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनों में नव-नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं बीएल-2 पदाधिकारियों के लिए संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, जनसंपर्क बढ़ाने तथा सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही ब्लॉक अध्यक्षों को पीसीसी कनेक्ट सेंटर के माध्यम से पोर्टल से जोड़ा गया है, जहां पार्टी की गतिविधियों को नियमित रूप से अपलोड किया जाएगा, जिसकी एआईसीसी स्तर पर मॉनिटरिंग होती है। चंद्रेश हिरवानी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिजली दरों में वृद्धि, बढ़े हुए बिजली बिल और स्मार्ट मीटर जैसी नीतियों से आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद मनमानी बिलिंग और पारदर्शिता के अभाव की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर सड़क से सदन तक चरणबद्ध आंदोलन चलाएगी। बैठक का संचालन ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री विनय साहू ने किया। बैठक के बाद ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अर्जुंदा के पदाधिकारियों ने थाना पहुंचकर एक आवेदन सौंपा। आवेदन में आरोप लगाया गया कि भाजपा युवा मोर्चा के पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान विधायक कुंवर सिंह निषाद के विरुद्ध अभद्र एवं अपमानजनक टिप्पणी की गई, जिस पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एआईआर दर्ज करने की मांग की गई। बैठक में जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम पटेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवरी के अध्यक्ष संजीव चौधरी, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, अर्जुंदा एवं देवरी ब्लॉक के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आरक्षण पर फेसबुक पोस्ट पड़ी भारी, जनमन पत्रिका के संपादकीय सलाहकार द्विवेदी की सेवा समाप्त

रायपुर। आरक्षण को लेकर सोशल मीडिया पर की गई एक फेसबुक पोस्ट के बाद छत्तीसगढ़ सरकार की आधिकारिक पत्रिका जनमन के संपादकीय सलाहकार डॉ. अनिल द्विवेदी की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। छत्तीसगढ़ संवाद ने इसे टेंडर की शर्तों और शासकीय मर्यादा का उल्लंघन मानते हुए तत्काल कार्रवाई की है। छत्तीसगढ़ संवाद ने 1 अगस्त 2026 को प्राइमवन वर्कफोर्स प्राइवेट लिमिटेड को पत्र जारी कर डॉ. अनिल द्विवेदी की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। पत्र के अनुसार डॉ. द्विवेदी वरिष्ठ संपादकीय सलाहकार के रूप में कार्यरत थे और उनकी नियुक्ति जीईएम पोर्टल के माध्यम से जारी टेंडर क्रमांक जेईएम (15 जुलाई 2025) के तहत हुई थी। संस्था के मुताबिक डॉ. द्विवेदी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर आरक्षण से संबंधित सार्वजनिक टिप्पणी की, जिसे उनके पद की गरिमा और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं माना गया। पत्र में कहा गया है कि एक शासकीय प्रकाशन से जुड़े वरिष्ठ पद पर रहते हुए इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी न केवल संस्थागत मर्यादा के विपरीत है, बल्कि शासकीय नीति-निर्देशों का भी उल्लंघन करती है। छत्तीसगढ़ संवाद ने अपने आदेश में यह भी उल्लेख किया है कि संबंधित आचरण निविदा की शर्तों, विशेष रूप से धारा-6, के विपरीत पाया गया। इसी आधार पर प्राइमवन वर्कफोर्स प्राइवेट लिमिटेड को आवश्यक कार्रवाई कर सेवाएं समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश संस्था के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अनुमति से जारी किया गया है। जनमन छत्तीसगढ़ सरकार की आधिकारिक पत्रिका है, जिसका प्रकाशन जनसंपर्क विभाग की सहयोगी संस्था छत्तीसगढ़ संवाद द्वारा किया जाता है। ऐसे में संपादकीय सलाहकार की सार्वजनिक टिप्पणी पर की गई यह कार्रवाई सरकारी संस्थानों में आचरण और सेवा शर्तों के पालन को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्णय के रूप में देखी जा रही है।

एक रात में 27 नशे में वाहन चलाने वाले चालकों पर केस

रायपुर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात पुलिस कमिश्नरेट रायपुर ने नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफविशेष अभियान चलाते हुए एक ही रात में 27 वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा के मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति जारी रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार, 1 अगस्त 2026 की रात सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) स्नेहिल साहू के नेतृत्व में शहर के नौ प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया गया। आधुनिक ब्रीथ एनालाइजर मशीनों से जांच के दौरान 14 कार, 9 पिकअप, 3 दोपहिया और 1 ट्रक चालक सहित कुल 27 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए। सभी के खिलाफमोटरयान अधिनियम के तहत तत्काल वैधानिक कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक 3,780 ड्रंक एंड ड्राइव मामलों में कार्रवाई की जा चुकी है। अभियान का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा ने नागरिकों से अपील की है कि शराब या किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन करने के बाद वाहन न चलाएं। आवश्यकता पड़ने पर सार्वजनिक परिवहन, टैक्सी या परिवार के किसी सदस्य की सहायता लें। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार व्यवहार से न केवल चालक, बल्कि अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं का जीवन भी सुरक्षित रहता है। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफयह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रात 3 बजे बर्थडे पार्टी में हंगामा,पुलिस से धक्का-मुक्की करने पर 7 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में देर रात तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाकर हुल्लड़बाजी करना और पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की करना सात युवक-युवतियों को महंगा पड़ गया। कोतवाली पुलिस ने गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज कर चार युवकों और तीन युवतियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 2 अगस्त की तड़के करीब 3 बजे थाना कोतवाली को गांधी नगर कालीबाड़ी क्षेत्र में प्रताप तांडी के मकान की छत पर जन्मदिन की पार्टी के दौरान तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाकर हंगामा किए जाने की शिकायत मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर साउंड सिस्टम बंद करा दिया। कुछ देर बाद उसी स्थान से दोबारा तेज आवाज में डीजे बजने की शिकायत मिलने पर पुलिस फिर मौके पर पहुंची। इस दौरान मौजूद युवक-युवतियों ने पुलिस की समझाइश का विरोध करते हुए कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की और झूमा-झटकी की, अश्लील गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना में कुछ पुलिसकर्मियों को चोटें भी आईं। मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देने के बाद थाना कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 351(2), 121, 121(1), 191 एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रताप तांडी (33), हरीश तांडी (30), दीपक दास (26), विपुल जोशी (30), हर्षा महानंद (25), दिव्या सोनी (27) और उपासना सोनी (28) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रायपुर पुलिस ने कहा है कि सार्वजनिक शांति भंग करना, देर रात तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजाना, शराब के नशे में उत्पात मचाना तथा पुलिस या अन्य शासकीय कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाना गंभीर दंडनीय अपराध है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति के तहत कड़ी वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी।

बोल बम के जयकारों के बीच शिवभक्ति का अद्भुत संगम

रायपुर। पवित्र श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ के प्रति अटूट आस्था और श्रद्धा का अनुपम दृश्य अमरकंटक से भोरमदेव धाम तक निकलने वाली कांवड़ यात्रा में देखने को मिल रहा है। बोलबम और हर-हर महादेव के जयकारों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा है। हजारों शिवभक्त कठिन पदयात्रा कर पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सेवा को प्राथमिकता देते हुए उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा की पहल पर अमरकंटक स्थित मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ यात्रियों के लिए निःशुल्क भोजन प्रसादी, विश्राम एवं आवश्यक सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'दिव्यांग' शब्द देकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव दिया

दिव्यांगजनों के सम्मान और सशक्तीकरण के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध

- प्रोजेक्ट 'सहारा' के तहत 3.58 करोड़ रुपये के सहायक उपकरणों का वितरण, 1739 दिव्यांगजन हुए लाभान्वित
- बलबीर सिंह जुनेजा स्टेडियम के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड़ रुपये प्रदान करने की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता

किसी भी संवेदनशील और विकसित समाज की पहचान इस बात से होती है कि वहां प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी प्रतिभा, क्षमता तथा आत्मविश्वास को सही अवसर उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार इसी सोच के साथ दिव्यांगजनों के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में सम्मानपूर्वक अपना योगदान दे सकें।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रोजेक्ट 'सहारा' के अंतर्गत दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिव्यांगजनों के प्रति देश की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने केवल कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार ही नहीं किया, बल्कि उन्हें 'दिव्यांग' कहकर सम्मान और आत्मगौरव का नया भाव भी दिया। यह

परिवर्तन केवल शब्दों का नहीं, बल्कि समाज की सोच और दृष्टिकोण का परिवर्तन है। प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को आत्मसात करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार भी दिव्यांगजनों के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर इंडोर स्टेडियम के जीर्णोद्धार, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के लिए 7 करोड़ रुपये की राशि प्रदान किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि खेल अधोसंरचना का विकास केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि ऐसे सामाजिक और जनहितकारी आयोजनों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल, ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, हियरिंग एड, कृत्रिम हाथ-पैर, वैशाखी, वॉकिंग स्टिक तथा अन्य आधुनिक सहायक उपकरण वितरित किए। उन्होंने हितग्राहियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि ये उपकरण केवल सहायता सामग्री नहीं हैं, बल्कि आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की नई शुरुआत हैं। इनकी सहायता से दिव्यांगजन शिक्षा, रोजगार, आवागमन और दैनिक जीवन के कार्यों में अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे तथा समाज की मुख्यधारा से और अधिक मजबूती से जुड़ पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम की शुरुआत में प्रदेशवासियों को सावन माह के प्रथम सोमवार की शुभकामनाएं देते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सभी नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सेवा, करुणा और मानवता का संदेश देती है तथा समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना हम सभी का दायित्व है।

पिछली भूपेश बघेल सरकार ने ही प्रदेश पर स्मार्ट मीटर का बोझ थोपा-देवलाल ठाकुर

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने स्मार्ट मीटर मुद्दे को लेकर कांग्रेस और उसके शीर्ष नेताओं पर जोरदार हमला बोला है। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस जनता के बीच लगातार भ्रम फैलाने का काम कर रही है और स्मार्ट मीटर के नाम पर जो आंदोलन की राह पकड़ रही है, वह पूरी तरह उसका ढोंग और घड़ियाली आँसू बहाना है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने शनिवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि पिछली भूपेश बघेल सरकार ने ही प्रदेश पर स्मार्ट मीटर का बोझ थोपा था। अब कांग्रेस नेताओं और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को वर्तमान सरकार से सवाल पूछने के बजाय अपनी पूर्ववर्ती भूपेश सरकार और उनकी कैबिनेट से सवाल करना चाहिए। श्री ठाकुर ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया वर्ष 2021 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही शुरू हुई थी। शुरुआत में यह तय किया गया था कि स्मार्ट मीटर केवल अमृत सिटी, औद्योगिक, व्यावसायिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में ही लगाए जाएंगे, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने नियमों को दरकिनार करते हुए प्रदेश के आम घरेलू उपभोक्ताओं पर भी इसे जबरन थोप दिया।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने दस्तावेजों के आधार पर पूर्व कांग्रेस सरकार की मंशा और आर्थिक हितों पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि रायपुर शहर-ग्रामीण, दुर्ग-राजनांदगाँव-जगदलपुर, और बिलासपुर-रायगढ़-अम्बिकापुर जैसे क्षेत्रों को

तीन चरणों में बाँटकर घरेलू उपभोक्ताओं को एक साथ क्लब किया गया और लगभग 7 हजार करोड़ रुपये की टेण्डर प्रक्रिया जारी की गई। 2023 के विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से ठीक पहले तत्कालीन प्रदेश सरकार की हड़बड़ी पर सवाल उठाते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव की आचार संहिता 9 अक्टूबर को लागू हुई थी। आचार संहिता से ठीक पहले 7 व 8 अक्टूबर को सप्ताहांत (क्रमशः शनिवार व रविवार) था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने 6 अक्टूबर (शुक्रवार) को आनन-फानन में कंपनियों को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ठाकुर ने कांग्रेस पर 'आर्थिक हित' साधने और 'भ्रष्टाचार' का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया कि आचार संहिता लागू होने से महज दो-तीन दिन पहले ऐसी क्या हड़बड़ी थी कि कार्य आदेश जारी कर दिया गया? अगर तत्कालीन सरकार चाहती, तो घरेलू उपभोक्ताओं और किसानों को इससे बाहर रख सकती थी या टेंडर प्रक्रिया को रोक सकती थी। लेकिन अपने निजी और आर्थिक हितों को साधने के लिए तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार ने यह वर्क ऑर्डर आनन-फानन में जारी किया।

सेवा सेतु केंद्र बने आमजन और शासन के बीच भरोसे का सेतु

- श्री धुनेश्वर कंवर को सहजता से मिले जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित सेवा सेतु योजना के माध्यम से शासकीय सेवाएं अब पहले से अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध हो रही हैं। योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर से राहत दिलाते हुए आवश्यक प्रमाण पत्र एवं अन्य शासकीय सेवाएं उनके निकट उपलब्ध कराना है। सेवा सेतु केंद्रों के माध्यम से जाति, निवास, आय सहित विभिन्न शासकीय प्रमाण पत्रों एवं नागरिक सेवाओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे लोगों का समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा शासन की सेवाएं अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंच रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सेवा सेतु केंद्र सुशासन की मजबूत कड़ी बनकर नागरिकों को पारदर्शी, सरल एवं जवाबदेह प्रशासन का अनुभव करा रहे हैं। इसी क्रम में कोरबा जिले के भैंसमा अंतर्गत ग्राम धौराभाठा निवासी श्री धुनेश्वर कंवर, पिता श्री लल्ला राम ने सेवा सेतु केंद्र भैंसमा में जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद केंद्र के कर्मचारियों द्वारा आवश्यक प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए निर्धारित समय में उन्हें तीनों प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिए गए। श्री कंवर ने बताया कि पहले शासकीय दस्तावेज बनवाने के लिए कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों की हानि होती थी। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से एक ही स्थान पर सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने से उन्हें बिना किसी परेशानी के समय पर आवश्यक दस्तावेज प्राप्त हो गए। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सेवा नहीं, बल्कि आम नागरिकों के प्रति सरकार की संवेदनशील और जनहितैषी सोच का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु योजना ने शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों के द्वार तक पहुंचाने का कार्य किया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बिना किसी अनावश्यक परेशानी के समय पर आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं।

शिकायत के त्वरित निराकरण से नियमित राशन मिलने लगा

हितग्राही ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का जताया आभार.....

- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से देवेंद्र दिनकर के राशन कार्ड की त्रुटि हुई दूर

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 इसी दिशा में एक भरोसेमंद और प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है, जहां प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम भवतरा

निवासी श्री देवेंद्र दिनकर की राशन कार्ड संबंधी शिकायत का त्वरित निराकरण किया गया। राशन कार्ड में त्रुटि होने के कारण उन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले राशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था, जिससे उनके परिवार को खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के समाधान के लिए श्री देवेंद्र दिनकर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही संबंधित विभाग ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। परीक्षण के दौरान राशन कार्ड में दर्ज त्रुटि का नियमानुसार सुधार किया गया, जिसके बाद उनका राशन कार्ड पुनः सक्रिय हो गया और उन्हें नियमित रूप से राशन मिलने लगा। श्री देवेंद्र दिनकर ने बताया कि राशन कार्ड में सुधार होने के बाद अब उन्हें और उनके परिवार को बिना किसी परेशानी के नियमित रूप से राशन मिलने के साथ-साथ अन्य पात्रतानुसार शासकीय योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो सकेगा।

फांसी लगाकर विवाहिता ने की आत्महत्या

रायपुर। राजधानी के भनपुरी इलाके में नव विवाहिता के आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. घर में फांसी के फंदे पर युवती का शव लटका हुआ मिला. शुरुआती तौर पर शादी के बाद संतान नहीं होने को लेकर विवाद की बात सामने आ रही है. जानकारी के मुताबिक, मृतिका की पहचान 28 वर्षीय कृतिका साहू के रूप में हुई है. उसका पति ट्रांसपोर्टर कंपनी में कलेक्शन का काम करता था. रविवार को घर के कमरे में युवती की फांसी के फंदे पर लटकी मिली. पड़ोसियों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. एफएसएल टीम को भी मौके पर जांच के लिए बुलाया गया. शव को सुरक्षित नीचे उतार कर पंचनाम तैयार करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है.

पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला का उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने किया उद्घाटन

ग्रामीण उद्यमिता का मार्ग है संभागीय सरस मेला: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान की दीदियों द्वारा बनाए गए सामग्रियां मिल रही है बहुत ही कम दरों पर

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के भोरमदेव मंदिर चौरा में आयोजित पांच दिवसीय संभागीय सरस मेला का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि संभागीय सरस मेला से ग्रामीण महिलाओं के स्वरोजगार को एक नई दिशा मिलती है तथा यह आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होता है। सरस मेला में स्वदेशी, प्राकृतिक एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु संभागीय सरस मेला समूह की दीदियों के लिए सफलता के द्वार खोलेगा। संभागीय सरस मेला के उद्घाटन के दौरान अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग श्री बिसेसर पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, श्री वीरेंद्र साहू, श्री लोकचंद साहू, श्री संतोष पटेल, श्री विदेशी राम धुर्वे, कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा, सीईओ जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक जिले के अधिकारी गण, स्व सहायता समूह की दीदियों सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। मेले में लगे स्टालों का उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अवलोकन किया तथा महिला समूह से उनके उत्पादन के विषय में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान स्टॉल से खरीदी कर महिला समूह का हौसला बढ़ाया तथा उन्हें सफल व्यवसाय की शुभकामनाएं दी। संभागीय सरस मेला के संबंध में कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि मेले का आयोजन सावन माह में किया गया है जो

06 अगस्त की शाम तक चलेगा। विश्व प्रसिद्ध भोरमदेव मंदिर की पावन एवं ऐतिहासिक धरा पर आयोजित यह मेला केवल खरीदारी का अवसर नहीं बल्कि ग्रामीण उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। 50 से अधिक स्टॉलों के द्वारा एक ही छत के नीचे ताजे एवं पौष्टिक मिलेट उत्पाद, स्वादिष्ट घरेलू खाद्य सामग्री, वनोपज आधारित अन्य स्थानीय उत्पादन मिल रहा है। हस्तशिल्प एवं हथकरघा सामग्री बाँस एवं बेंत से बने आकर्षक उत्पाद,घरेलू सजावटी वस्तुएँ, पारंपरिक परिधान तथा अनेक प्रकार के अन्य उपयोगी स्वदेशी सामग्रियों का विशाल भंडार विक्रय के लिए उपलब्ध होगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल ने बताया की समूह की दीदियों द्वारा निर्मित सामग्रियों को बाजार उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से संभागीय सरस मेला का आयोजन हो रहा है। प्रत्येक खरीदी पर ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वदेशी भारत का संकल्प होगा। जैविक खाद्य सामग्री, आकर्षक सजावट के सामान सहित अन्य उपयोगी वस्तु कम दर पर उपलब्ध है। सभी जिलेवासियों से अपील की जाती है कि वह सावन के इस पवित्र महीने में बाबा भोरमदेव के दर्शन के साथ ही संभागीय सरस मेला का लाभ उठाए। प्रसिद्ध पंडवानी गायिका श्रीमती तरुणा साहू और स्कूली बच्चों के शिव तांडव की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका श्रीमती तरुणा साहू के पंडवानी गायन ने सभी का मन मोह लिया। द्रोपदी चीर हरण सहित अन्य प्रसंगो की मार्मिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को उस काल खण्ड की याद दिला दी। इसी तरह स्वामी आत्मानंद इंग्लिश स्कूल बोड़ला के बच्चों द्वारा शिव तांडव का नृत्य प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने सरस मेला में उपस्थित सभी लोगों का खूब मनोरंजन किया।

संपादकीय

राष्ट्रमंडल खेल की घटती प्रासंगिकता

रविवार को ग्लासगो में ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक-विजेता मीराबाई चानू जब पोडियम पर खड़ी हुईं, तो राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला वेटलिफ्टर बनने के बाद उनके गालों पर आंसू ढुलक पड़े। उनकी इस उपलब्धि ने इन खेलों को, जिनके कुछ साल पहले गुमनामी में चले जाने का खतरा पैदा हो गया था, बड़ा सहारा प्रदान किया। यह देखते हुए कि भारत साल 2030 में अहमदाबाद में इन खेलों के शतवार्षिकी संस्करण की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, मीराबाई की स्वर्णिम विजय से बेहतर कोई विज्ञापन नहीं हो सकता था। कुल 190 किलोग्राम के साथ महिलाओं के 48-किलोग्राम वर्ग में यह उनका लगातार चौथा पदक था, अगर पदक के रंग पर न जाएं तो। स्कॉटलैंड के इस शहर में, तपी-तपायी वेटलिफ्टर का कारनामा शायद इकलौता गौरवशाली अध्याय न रहे, क्योंकि एथलेटिक्स व पैरा-एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग व पैरा-वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, और लॉन बॉल्स व पैरा-बॉल्स में भी भारत के दूसरे अग्रणी एथलीटों के पोडियम तक पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय खेल मंत्रालय के एक अंदरूनी अनुमान के मुताबिक, भारतीय एथलीटों के लगभग 30 पदक जीतने की उम्मीद है, भले ही ग्लासगो में छोटे स्तर के इस आयोजन से कई ऐसे खेल हटा दिये गये जिनमें भारतीय पारंपरिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं – जैसे कि कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, हॉकी और स्क्वॉश। नीरज चोपड़ा, मुरली श्रीशंकर, प्रवीण चिथ्रवेल, और मुक्केबाजों लवलीना बरगोंहाई और जैस्मिन लंबोरिया से पदक की उम्मीद है।

छोटे किये गये राष्ट्रमंडल खेल पूर्व ब्रिटिश साम्राज्य की इस खेल परंपरा की घटती प्रासंगिकता को उजागर करते हैं। मूल रूप से विक्टोरिया को आवंटित 2026 संस्करण के सामने उस समय अस्तित्व का खतरा पैदा हो गया था जब इस ऑस्ट्रेलियाई राज्य ने बढ़ती लागत के चलते तीन साल पहले मेजबानी से पैर खींच लिये। साल 2014 में मेजबान रहे ग्लासगो ने, आठ मील के गलियारे के भीतर चार आयोजन स्थलों में 10 एकीकृत खेलों वाले, एक संक्षिप्त संस्करण का प्रस्ताव रखकर इन खेलों को शर्मिंदगी से बचाया। भले ही राष्ट्रमंडल खेल ओलंपिक या एशियाई खेलों की वैश्विक या क्षेत्रीय उत्कृष्टता के जोड़ के नहीं हैं, यह मंच अब भी भारतीय खिलाड़ियों और प्रशासकों के लिए काफी आकर्षण रखता है। अलग-अलग खेलों में एलीट विश्व स्तर पर भारत की सफलता छिटपुट रही है, लेकिन उसने लगातार तीन साल तक ग्लोबल डोपिंग चार्ट में शीर्ष पर रहने की अपमानजनक विशिष्टता दिखायी है। ग्लासगो 2026 के आयोजन से पहले भी, अलग-अलग खेलों के कई एथलीट प्रतिबंधित पदार्थों का सेवन करने के लिए पकड़े गए हैं।

बिट्टू की एंट्री से बदली पंजाब की चुनावी बिसात, नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

(नीरज कुमार दुबे)

दरअसल, रवनीत सिंह बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है।

केंद्रीय मंत्री पद से रवनीत सिंह बिट्टू का इस्तीफा पंजाब की राजनीति में भाजपा के सबसे बड़े चुनावी दांव के रूप में देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि बिट्टू विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं और पार्टी के चुनाव अभियान का प्रमुख चेहरा भी बन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो चुका था। इसके बाद उन्होंने रेल तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया। बिट्टू ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें देश और विशेष रूप से पंजाब की सेवा करने का अवसर मिला तथा उनका सार्वजनिक जीवन राष्ट्रवाद, सेवा और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू लंबे समय तक कांग्रेस में रहे। वर्ष 2009 में वह आनंदपुर साहिब से सांसद बने और बाद में दो बार लुधियाना का प्रतिनिधित्व किया। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा, लेकिन लुधियाना से कांग्रेस के अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के खिलाफ चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें राजस्थान से राज्यसभा भेजा गया और केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में डबल इंजन सरकार बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है।

दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है।

भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई सतलुज फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।

राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूटने के बाद भाजपा ने स्वतंत्र राजनीतिक ताकत बनने की दिशा में लगातार काम किया है। इसका असर चुनावी आंकड़ों में भी दिखा, जहां 2022 विधानसभा चुनाव में लगभग 6.6 प्रतिशत मत पाने वाली भाजपा का वोट प्रतिशत 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गया। यही कारण है कि पार्टी अब पंजाब में अकेले दम पर सत्ता हासिल करने का सपना देख रही है।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और अकाली दल तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी।

हालांकि शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा के रिश्तों को लेकर राजनीतिक अटकलें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। इसका ताजा उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के दौरान देखने को मिला था। जालंधर की सभा में प्रधानमंत्री ने आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और अकाली दल तीनों पर निशाना साधते हुए कहा कि अकाली दल भी आपसी स्वार्थों के कारण पंजाब की प्रभावी सेवा नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री ने किसी विशेष अकाली गुट का नाम नहीं लिया, लेकिन शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने बाद में दावा किया कि यह टिप्पणी उनकी पार्टी पर नहीं, बल्कि अन्य अकाली धड़ों के लिए थी। इस बयान ने राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी, क्योंकि भाजपा और अकाली दल का लगभग 25 वर्षों पुराना गठबंधन 2020 में कृषि कानूनों के मुद्दे पर टूटने के बाद भी दोनों दलों के हर सार्वजनिक बयान को संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि भाजपा नेतृत्व फिलहाल गठबंधन पुनर्जीवित करने की किसी संभावना से इंकार कर रहा है और अपने संगठन को स्वतंत्र रूप से मजबूत करने की बात कह रहा है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब की राजनीति में भाजपा और अकाली दल के संबंध इतने महत्वपूर्ण रहे हैं कि दोनों दलों के बीच होने वाला हर संवाद भविष्य की संभावनाओं के नजरिए से परखा जाता है। राजनीति

साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है।

देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा माय कंट्री, माय लाइफ में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।

इसी बदलाव के तहत भाजपा ने हाल के वर्षों में कई प्रतीकात्मक और राजनीतिक कदम उठाए हैं। वीर बाल दिवस की घोषणा, करतारपुर साहिब गलियारे का उद्घाटन, अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूप भारत लाना, 1984 दंगों के मामलों की जांच में तेजी, हवाई अड्डों पर कृपाण ले जाने की अनुमति, स्वर्ण मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार दौरे तथा लंबे समय से जेल में बंद कुछ सिख कैदियों को मानवीय आधार पर राहत जैसे फैसलों को इसी व्यापक सिख पहुंच अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने यह भी संकेत दिया है कि सत्ता में आने पर धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा सकता है। भौगोलिकसंदर्भ हालांकि भाजपा इस पूरे अभियान के दौरान एक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रही है। पार्टी स्पष्ट करती है कि उसका आतंकवाद और खालिस्तानी हिंसा के प्रति रुख नहीं बदला है। पंजाब भाजपा के नेताओं का कहना है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार को राष्ट्रीय त्रासदी मानने का अर्थ आतंकवाद का समर्थन नहीं है, बल्कि उस समय की परिस्थितियों के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराना है। फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है। बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संसद में आक्रामकता बनाम रक्षात्मकता- कैसे विपक्ष के दबाव में झुकी सरकार

(सुधीश पचौरी)

सरकार जितना 'हाथजोड़ू मुद्रा' में नजर आती है, उतने ही सबसे बड़े विपक्षी दल के तेवर कड़े होते दिखते हैं। अफसोस कि सत्तापक्ष के पास इसका कोई तोड़ नहीं !सत्तापक्ष, विपक्ष के आगे एक 'हाथजोड़ू प्रार्थना' है। इसके बरक्स विपक्ष एक 'शोर' है, 'नारेबाजी' है, 'काला वस्त्र' है और 'पोस्टर' है। एक जिद है कि हमारा एजंडा मानो, तब चलने देंगे संसद यानी हम चलाएंगे संसद..। सत्तापक्ष आग्रह करता है = हे विपक्ष जी! कृपया संसद चलने दें, सरकार हर मुद्दे पर विचार करने के लिए तैयार है, नियम एवं समय तय करने पर विचार करेंगे। आसन की ओर से भी विपक्ष के नेताओं से बार-बार आग्रह किया जाता है कि आप वरिष्ठ अनुभवी सांसद हैं, शोर न करें, पोस्टर न लहराएं, सदन चलने दें..। कुछ देर बाद संसद पहले बारह बजे तक, फिर दो बजे, फिर तीन बजे तक और चार बजे तक स्थगित होती रहती है।. सरकार जितना 'हाथजोड़ू मुद्रा' में नजर आती है, उतने ही सबसे बड़े विपक्षी दल के तेवर कड़े होते दिखते हैं। अफसोस कि सत्तापक्ष के पास इसका कोई तोड़ नहीं! जब से मानसून सत्र शुरू हुआ है, तभी से विपक्ष आक्रामक है और सत्तापक्ष रक्षात्मक! विपक्ष पूरी तरह सक्रिय है और उसमें राहुल गांधी आगे हैंजविपक्ष का सारा 'स्पेस' उनका है। सत्तापक्ष, विपक्ष को यह कहकर लज्जित करना चाहता है कि उसका ऐसा अड़ियल व्यवहार गैरजिम्मेदाराना है। एक ओर वह कहता है कि संविधान खतरे में है, तो दूसरी ओर संसद न चलने देकर वह संविधान को ही खतरे में डालता है। सरकार को रक्षात्मक देख विपक्ष अपनी करता रहता है कि संसद चलाना सत्तापक्ष का कामज हमारा काम विरोध करना है। पहले विपक्ष की तीन मांगें मानो कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें, छात्रों से माफी मांगें और नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दें। फिर 'काकरोच जनता पार्टी' की एक और मांग कि प्रदर्शनकारियों पर केस वापस लें। उधर, 'काकरोच जनता पार्टी' के कुछ नेताओं के लिए 'भूख हड़ताल' भारी पड़ी। एक 'काकरोच' ने भूख हड़ताल के दौरान 'बर्गर' खाया और फिर टीवी चैनलों को स्वयं बताया कि खाया। इसके बाद वह 'काकरोच जनता पार्टी' के प्रवक्ता पद से बाहर हो गया, लेकिन वह बंदा भी गजब कि जाते-जाते कह गया कि 'उन्होंने' भी कचौड़ी खाई है। 'काकरोच' के नेता उतनी सुर्खियों में नहीं दिखते, जितने कि सोनम वांगचुक या विपक्ष के नेता हैं। संसद में हर दिन अब सिर्फ लंबा 'स्थगन' है! संसद स्थगित, लेकिन बाहर मकर द्वार पर विपक्ष का लगभग हर रोज प्रदर्शन। फिर एक दिन सत्तापक्ष के सांसदों का मकर द्वार पर जवाबी प्रदर्शनज मानसून सत्र के पहले दिन ही 'काकरोच जनता पार्टी' का संसद की ओर 'कूच' का एलान। पुलिस द्वारा रास्ते बंद करना, लेकिन बढ़ती भीड़ बेकाबू, फिर पत्थरबाजी और पुलिस का बल प्रयोग। ऐसे दृश्य दिल्ली सहित कई बड़े शहरों में देखे गए। चैनलों पर सब कुछ का सीधा प्रसारणज कुछ चैनलों के पत्रकार भी प्रदर्शनकारियों का निशाना बनेज्वहसें विपक्ष के नेताओं और प्रदर्शनकारियों के पक्ष में झुकती हुई..। उधर, पुलिस का कथन कि प्रदर्शन में बहुत से बाहरी तत्त्व भी शामिल दिखते हैंज वे अपने चेहरों को छिपाकर, हेल्मेट पहनकर पत्थर चलाते हैं, कुछ तलवारें भी लहराते हैं, वे पुलिस या सार्वजनिक संपत्ति को निशाना बनाते हैं। कुछ एंकर और चर्चकों के लिए कथित 'जेन-जी पीढ़ी' का आचरण आपत्तिजनक, कइयों को संदेह कि ये विद्यार्थी हैं या असामाजिक तत्त्व? ये किसी विदेशी 'टूलकिट' से प्रेरित हैं और मांग कि पुलिस सख्ती बरते इनको हटाए। इस बीच, बॉलीवुड अभिनेताओं समेत कई हस्तियां छात्रों के समर्थन में खड़ी हो गईं! फिर एक शाम सबसे बड़े विपक्षी दल का प्रधानमंत्री आवास के पास प्रदर्शन और नारे।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी इसका नेतृत्व करते हुए। एक मंत्री का राहुल से मिलकर बातचीत करना कि विपक्षी नेता सुरक्षा की दृष्टि से इस संवेदनशील इलाके से हट जाएंज सरकार बातचीत करने को तैयार है। जब नहीं हटे, तो पुलिस ने जबरन हटाया। कई चर्चक कहिन कि विपक्ष एक बार फिर सरकार को हिलाकर निकल गया। उधर, गुरुवार की रात को प्रधानमंत्री ने एक नया एलान किया कि प्रश्नपत्र लीक मामलों में दोषियों को जल्द सजा दिलाने के लिए त्वरित अदालतें बनाई जाएंगी, सख्त कानून लाएंगे, जिसमें सजा की अवधि और जुर्माने को बढ़ाने के प्रावधान होंगे। जब पूछा गया कि क्या विपक्ष नए कानून का समर्थन करेगा, तो जवाब आया कि पहले संबंधित विधेयक को देखेंगे, तब बताएंगे। इसी बीच, सोनम वांगचुक की ओर से 26 दिन पुरानी भूख हड़ताल को समाप्त करने की खबर आई। साथ ही यह खबर भी आई कि किसी 'न्यूट्रल' जगह पर 'काकरोच जनता पार्टी' के नेता सरकार से बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

विश्वासघात के बाद हार नहीं मानें, वो समय खुद को फिर से गढ़ने का होता है

(आकांक्षा दीक्षित)

मनोविज्ञान में एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत है, जिसे 'पोस्ट-ट्रामेटिक ग्रोथ' यानी आघात-पश्चात विकास कहा जाता है। मनोवैज्ञानिक डा रिचर्ड टेडेशी और लारेंस कैलहौन के शोध बताते हैं कि जीवन में गहरे संकट, मानसिक आघात या गंभीर विश्वासघात का सामना करने वाले अधिकतर लोग केवल अवसाद में ही नहीं डूबते, बल्कि एक समय के बाद वे मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हो जाते हैं। इस संकट से गुजरने के बाद लोगों में रिश्तों की बेहतर समझ विकसित होती है, वे सही और गलत लोगों की पहचान करना सीख जाते हैं और उन्हें अपनी उस आंतरिक शक्ति का अहसास होता है, जिससे वे पहले अनजान थे। जब कोई हमें धोखा देता है, तो वह हमारे भरोसे को तोड़ता है। हमारा जीवन किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं हो सकता।

टूटने के बाद अधिकांश वस्तुएं टुकड़ों में बंट कर बिखर जाती हैं। जब उनको किसी चिपकाने वाले पदार्थ से जोड़ा जाता है, तो वे अपना मूल स्वरूप बदल देती हैं, क्योंकि टूटने के बाद जुड़ने में ऐसा होना स्वाभाविक है। जिंदगी भी कुछ ऐसी ही होती है। जब अप्रत्याशित विश्वासघात या जीवन के संघर्षों के झंझावात किसी व्यक्ति को भीतर तक तोड़कर रख देते हैं, तो उस एक कमजोर क्षण में आत्मघात सबसे पहला और आसान उपाय लगता है। मगर क्या वास्तव में यह समाधान है? क्या किसी धोखेबाज, किसी विपरीत परिस्थिति या किसी कठिन दौर के आगे घुटने टेककर अपनी जीवन-लीला समाप्त कर लेना न्यायसंगत है? बिल्कुल नहीं। जब चोट पहुंचाने वाले, धोखा देने वाले लोग दुनिया में मुस्कुरा रहे हैं और खुश हैं, तब अपनी ही अनमोल जान को दांव पर लगा देना किसी भी समस्या का सही जवाब नहीं हो सकता। यह समय बिखरने का नहीं, बल्कि खुद को पहले से ज्यादा मजबूत बनाकर परिस्थितियों का डटकर मुकाबला करने का है। जापान में एक पुरानी परंपरा है 'किंत्सुगी'। जब मिट्टी या चीनी के बर्तन टूट जाते हैं, तो जापानी लोग उन्हें फेंकते नहीं हैं। वे उन टूटे हुए टुकड़ों को सोने, चांदी या प्लैटिनम मिश्रित लाख से जोड़ते हैं। परिणाम यह होता है कि वह बर्तन पहले से कहीं अधिक मजबूत हो जाता है और उसकी दरारें सोने की चमक से जगमगा उठती हैं। वह बर्तन अपनी कमियों को छिपाता नहीं, बल्कि उन्हें गर्व से दिखाता है। इंसानी जिंदगी भी ऐसी ही है। विश्वासघात या असफलता से जब हमारा दिल टूटता है, तो हमारे व्यक्तित्व में दरारें आती हैं। लेकिन जब हम धैर्य, आत्म-प्रेम और साहस के अवलेह से खुद को दोबारा जोड़ते हैं, तो हमारा नया स्वरूप पहले से कहीं ज्यादा निखर कर सामने आता है। हमारा मूल स्वरूप बदल जरूर जाता है- हम अधिक परिपक्व और संजीदा हो जाते हैं- लेकिन हमारी आंतरिक मजबूती कई गुना बढ़ जाती है। मनोविज्ञान में एक महत्त्वपूर्ण सिद्धांत है, जिसे 'पोस्ट-ट्रामेटिक ग्रोथ' यानी आघात-पश्चात विकास कहा जाता है। मनोवैज्ञानिक डा रिचर्ड टेडेशी और लारेंस कैलहौन के शोध बताते हैं कि जीवन में गहरे संकट, मानसिक आघात या गंभीर विश्वासघात का सामना करने वाले अधिकतर लोग केवल अवसाद में ही नहीं डूबते, बल्कि एक समय के बाद वे मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हो जाते हैं। इस संकट से गुजरने के बाद लोगों में रिश्तों की बेहतर समझ विकसित होती है, वे सही और गलत लोगों की पहचान करना सीख जाते हैं और उन्हें अपनी उस आंतरिक शक्ति का अहसास होता है, जिससे वे पहले अनजान थे। जब कोई हमें धोखा देता है, तो वह हमारे भरोसे को तोड़ता है। हमारा जीवन किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं हो सकता। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक, आत्मघाती विचार एक 'अस्थायी मानसिक कोहरा' होते हैं।

अगर उस एक कमजोर पल को धैर्य से पार कर लिया जाए, तो आगे की जिंदगी में सफलता की नई राहें खुलती हैं। इतिहास और वर्तमान ऐसे नायकों की कहानियों से भरा पड़ा है, जिन्होंने गहरे विश्वासघात और जीवन के झंझावातों को सहा, लेकिन हार मानने के बजाय इतिहास रच दिया। इस बात पर गहराई से विचार करना चाहिए कि जिसने हमें धोखा दिया, विश्वास का कत्ल किया, वह अपनी जिंदगी में मुस्कुरा रहा है, पार्टियां कर रहा है और आगे बढ़ चुका है। ऐसे में हमारे द्वारा उठाया गया कोई भी आत्मघाती कदम उसे दंड नहीं देगा, बल्कि उसे हमारे जीवन के अध्याय को हमेशा के लिए बंद करने का एक बहाना दे देगा। हमारी मृत्यु से सबसे ज्यादा दुख हमारे माता-पिता, सच्चे मित्रों और शुभचिंतकों को होगा, जिनका कोई दोष नहीं था। दोषी व्यक्ति को इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इसलिए सबसे बड़ा प्रतिशोध यह नहीं है कि हम खुद को मिटा दें। सबसे बड़ा और खूबसूरत प्रतिशोध यह है कि हम खुद को इतना कामयाब, खुश और मजबूत बना लें कि हमें चोट पहुंचाने वाले लोग हमारी ऊंचाई को देखकर खुद अपनी नजरों में बौने साबित हो जाएं। अगर कोई वर्तमान में किसी ऐसे ही दौर से गुजर रहा है, जहां सब कुछ बिखरा हुआ लग रहा है, तो कुछ बातों को अपने जीवन का मंत्र बना लेना चाहिए। सबसे पहले, उस एक कमजोर पल को टाल दिया जाए, क्योंकि आत्महत्या का विचार अक्सर एक तीव्र और क्षणिक आवेग होता है। जब भी ऐसा महसूस हो, किसी विश्वसनीय मित्र, परिवार के सदस्य या हेल्पलाइन से बात करने की जरूरत है। जैसे शरीर बीमार होने पर हम डाक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मन के बीमार होने या टूटने पर मनोचिकित्सक या काउंसलर की मदद लेना पूरी तरह सामान्य और जरूरी है। अपने भीतर की पीड़ा, गुबार, गुस्से और दुख को किसी रचनात्मक कार्य, करिअर या समाज सेवा में झोंक देना चाहिए। इतिहास गवाह है कि महानतम कला और सफलताएं गहरे दर्द की कोख से ही पैदा हुई हैं। इस बात को स्वीकार कर लेना चाहिए कि टूटने के बाद हमारा पुराना स्वरूप शायद वापस न आए, लेकिन यह नया रूप अधिक सतर्क, अधिक समझदार और कहीं अधिक शक्तिशाली होगा। जिंदगी एक अनमोल उपहार है, जिसे किसी भी विश्वासघाती या कठिन परिस्थिति की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता। टूटना अंत नहीं है, बल्कि यह एक नए और अधिक मजबूत स्वरूप के निर्माण की शुरुआत है। जब चीनी मिट्टी का बर्तन सोने से जुड़कर पहले से ज्यादा कीमती बन सकता है, तो हम हाड़-मांस के जीवित इंसान हैं, जिसके भीतर अदम्य इच्छाशक्ति का वास है। याद रखना चाहिए कि झंझावात पेड़ की सूखी पत्तियों को गिराते हैं, उसकी जड़ों को मजबूत करते हैं। खुद को समेट कर, उठने, अपनी दरारों को अपने तजुर्बे का सोना बनाने और दुनिया को दिखा देने की जरूरत है कि हम बिखरने के लिए नहीं, बल्कि निखरने के लिए बने हैं।

ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टर और नर्स से अभद्रता का विरोध, 8 अगस्त तक एट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

भानुप्रतापपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में रात्रि ड्यूटी के दौरान महिला डॉक्टर और स्टाफ नर्स के साथ हुई कथित गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार के मामले में जन-आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ तथा गोंडवाना समाज समन्वय समिति ब्लॉक भानुप्रतापपुर ने इस घटना का कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। संघ एवं समाज के पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपकर मामले से अवगत कराया है। ज्ञापन के अनुसार, 1 अगस्त 2026 की रात लगभग 1:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपनी सेवा दे रहीं महिला डॉक्टर व स्टाफ नर्स के साथ कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मां-बहन की भद्दी गालियां दी गईं तथा बदसलूकी की गई। संगठन का कहना है कि विपरीत परिस्थितियों में रात को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही महिला स्वास्थ्यकर्मियों के साथ ऐसा व्यवहार बेहद निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने मांग की है कि आरोपियों के विरुद्ध अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाए।

डॉ. सविन्द्र गोटा का निलंबन निरस्त करने और गौतम अस्पताल का लाइसेंस रद्द करने की भी मांग

इस मामले के साथ-साथ समाज द्वारा शासकीय अस्पताल के पदस्थ बी.एम.ओ. डॉ. सविन्द्र गोटा एवं दो अन्य स्टाफ नर्सों के गलत निलंबन का भी विरोध किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री, कलेक्टर कांकेर एवं एसडीएम भानुप्रतापपुर के नाम प्रेषित एक अन्य ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि: सोशल मीडिया और समाचार पत्रों की भ्रामक रिपोर्टिंग के आधार पर शासकीय चिकित्सकों व कर्मचारियों पर गलत निलंबन की कार्रवाई की गई है। शासकीय अस्पताल की टीम ने मरीज की स्थिति देखकर उसे उच्च केंद्र रेफर किया था, लेकिन परिजन उसे निजी 'गौतम अस्पताल' ले गए, जहाँ अप्रशिक्षित स्टाफ और डॉक्टर की गैरमौजूदगी में हुई नॉर्मल डिलीवरी के कारण जच्चा-बच्चा की मृत्यु हो गई। समाज ने मांग की है कि डॉ. सविन्द्र गोटा एवं दोनों स्टाफ नर्सों का निलंबन तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। जांच कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। ?भ्रामक पत्राचार/रिपोर्टिंग करने वालों पर एफआईआर दर्ज हो। निजी गौतम अस्पताल का लाइसेंस रदद किया जाए। पीड़ित परिवार को न्याय व उचित मुआवजा दिलाया जाए।

प्रशासन को अल्टीमेटम: 9 अगस्त 'विश्व आदिवासी दिवस' पर आंदोलन

गोंडवाना समाज एवं अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ ने शासन-प्रशासन को 08 अगस्त 2026 तक का अल्टीमेटम दिया है। यदि तय समय-सीमा के भीतर दोषियों पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं होती और निलंबित अधिकारियों को बहाल नहीं किया जाता, तो 09 अगस्त के अवसर पर सर्व आदिवासी समाज द्वारा भानुप्रतापपुर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। संघ ने स्पष्ट किया है कि आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

थाना उरंदाबेड़ा पुलिस द्वारा स्कूली बच्चों को नवीन कानून, यातायात नियम, सायबर क्राइम के रोकथाम व नशा मुक्ति एवं अभिव्यक्ति ऐप

कोण्डागांव। ग्राम बढ़गई हायर सेकेण्ड्री स्कूल में चलित थाना के तहत छात्र छात्राओं को शिक्षकों की उपस्थिति में नवीन कानून के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करने कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला संबंधी अपराध, बाल अपराध एवं लैंगिक अपराध की जानकारी, महिलाओं की सुरक्षा, अपराध की रोकथाम व नशा से मुक्ति, अभिव्यक्ति ऐप, गुड टच बैड टच, नवीन कानून, साइबर अपराध जैसे- अनजान व्यक्ति को ओ.टी.पी. शेयर न करना, अनजान से व्हाटऐप कॉलिंग न करना, करोड़ पति लॉटरी के झांसा में न आना संबंधी जानकारी दिया गया और कोई ठगी हो जाने पर टोल फ्री नंबर 1930 में कॉल करके सूचना देने, गांव में किसी अनजान व्यक्ति के आने पर थाना में सूचना देना एवं यातायात संबंधी जानकारी दी गई। जिसमें वाहन में रखे जाने वाले दस्तावेजों आरसी बुक, ड्राइविंग लाइसेंस, इंश्योरेंस, पोलूशन, परमिट के संबंध में बताया गया व तेज गति से वाहन नहीं चलाने एवं शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और अवैध प्रवासी के संदेह होने पर पुलिस को सूचना देने के संबंध में समझाईश दिया गया। इस दौरान स्कूल छात्र छात्राएं और मोतीराम बघेल व्याख्याता,राम साय गावड़े शिक्षक, दुल चंद नाग शिक्षक,ममता ध्रुव सहायक शिक्षक, रोशन कुमार सहायक ग्रेड 3, रोशन यादव भृत्य,हरिशंकर बघेल भृत्य, भगवान सिंह अतिथि शिक्षक और थाना से थाना प्रभारी अखिलेश धीवर, बुद्धमल सिंह समरथ,नरेंद्र नेताम, वीर सिंह मरापी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 14 अगस्त तक करा सकेंगे पंजीयन

कोण्डागांव। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफमौसम 2026 के लिए किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 को बढ़ाकर अब 14 अगस्त 2026 कर दिया गया है। उप संचालक कृषि कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के ऐसे किसान, जो किसी कारणवश अब तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफमौसम 2026 के लिए पंजीयन नहीं करा पाए हैं, वे अब 14 अगस्त 2026 तक योजना का लाभ लेने हेतु अपना पंजीयन करा सकते हैं। किसान अपने निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी बैंक, प्राथमिक कृषि सहकारी साख समिति, लोक सेवा केंद्र, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के ऑनलाइन पोर्टल (च्डथ्ठल् व्दसपदम च्वतजंस) तथा अधिकृत बीमा माध्यमों के माध्यम से निर्धारित तिथि तक पंजीयन करा सकते हैं। कृषि विभाग ने जिले के सभी पात्र किसानों से अपील की है कि वे समय पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत पंजीयन कराएं और प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम की स्थिति में अपनी फसलों को सुरक्षा प्रदान करें।

छात्राओं को विधिक जानकारी देकर आत्मरक्षा एवं अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम, रिगरी के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय व न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी केशकाल सौम्या राय के नेतृत्व में अधिकार मित्र चमेली यादव के प्री-मेट्रिक कन्या छात्रावास घनोरा, जिला-कोण्डागांव में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना, महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी प्रदान करना तथा बाल संरक्षण, साइबर सुरक्षा, एवं निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित, जागरूक एवं सशक्त नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना। कार्यक्रम में अधिकार मित्र चमेली यादव ने छात्राओं को शिक्षा का अधिकार अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006, पॉक्सो अधिनियम, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, यातायात नियमों का पालन तथा नालसा हेल्प लाइन नम्बर 15100 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या या सहायता की आवश्यकता होने पर निःशुल्क विधिक विधिक सहायता की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। शिविर के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न कानूनी विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक समाधान किया गया, साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, शिक्षा को प्राथमिक देने, बाल विवाह एवं अन्य सामाजिक कुरीतियों का विरोध करने तथा साइबर माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं से आव्हान किया गया कि वे स्वयं कानूनी रूप से जागरूक बनें तथा परिवार एवं समाज के अन्य लोगों को भी विधिक अधिकारों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करें, जिससे एक न्यायपूर्ण, सुरक्षित एवं सशक्त समाज का निर्माण हो सके।

बैटरी चलित ट्राइसाइकिल ने विनय के आत्मनिर्भर सफर को दी नई रफ्तार

कोंडागांव। शासन की मंशानुरूप दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान करते हुए उनके जीवन को सुगम और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किया जा रहा है। ग्राम कोकोड़ी, जनपद पंचायत कोंडागांव निवासी विनय नेताम 60 प्रतिशत दिव्यांग हैं। बचपन में ही लगभग 5-6 वर्ष की आयु में उनके माता-पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका पालन-पोषण पहले उनकी दादी ने किया और वर्तमान में उनके चाचा-चाची उनका सहारा बने हुए हैं। विनय ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उन्होंने 10वीं कक्षा उत्तीर्ण की तथा 12वीं की परीक्षा ओपन स्कूल से दी। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने जीविकोपार्जन के लिए कुछ करने की ठानी। मोबाइल के माध्यम से उन्होंने एग रोल और मोमोज़ बनाने की विधि सीखी। अपनी बहन के सहयोग से उन्होंने कोंडागांव में एक छोटा-सा एग रोल एवं मोमोज़ का ठेला शुरू किया। मेहनत और लगन के बल पर आज वे प्रतिदिन लगभग 01 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं और अपने जीवन-यापन का खर्च स्वयं वहन कर रहे हैं। हालांकि ठेले के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने उन्हें नियमित रूप से कोंडागांव आना-जाना पड़ता था। दिव्यांगता के कारण आवागमन में उन्हें हमेशा दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्रदान की गई है। इस सहायता से अब उनका आवागमन आसान हो गया है और वे अपने व्यवसाय का संचालन पहले से अधिक सुगमता एवं आत्मविश्वास के साथ कर सकेंगे। बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्राप्त कर विनय नेताम ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह सहायता उनके लिए केवल एक साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में उनके सफर को नई रफ्तार मिली है।

अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना से श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिली बड़ी सौगात, जिले के 5 मेधावी छात्रों का प्रतिष्ठित स्कूलों में चयन

बीजापुर। आर्थिक तंगी अब मेधावी बच्चों की पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी। श्रमिक परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ने वाली अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत बीजापुर जिले के पांच विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित निजी विद्यालयों में चयन हुआ है। चयनित बच्चों को अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक सुविधाओं वाले स्कूलों में अध्ययन का अवसर मिलेगा। जिले के उसूर विकासखंड के ग्राम बसागुड़ा की छात्रा सान्वी संगम का चयन दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में हुआ है। वहीं भोपालपटनम के ग्राम गुल्लागुड़ा की छात्रा परिधि कावटी, बीजापुर विकासखंड के ग्राम सागमेटा के छात्र देवांश जनगम तथा ग्राम गुल्लागुड़ा की छात्रा निहारिका नीकुरी का चयन हम एकेडमी, जगदलपुर में हुआ है। इसके अलावा भैरमगढ़ विकासखंड के ग्राम छोटे गोगला के छात्र आदित्य कोरसा का चयन भी दिल्ली पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव में हुआ है। चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों ने बताया कि वे श्रमिक परिवार से हैं और सीमित आय के कारण बच्चों को प्रतिष्ठित विद्यालयों में पढ़ाना संभव नहीं था। श्रम विभाग में पंजीयन के बाद अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना की जानकारी मिली और आवेदन करने पर बच्चों का चयन हो गया। इससे अब बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आधुनिक सुविधाओं के बीच पढ़ाई का अवसर मिलेगा। कलेक्टर विश्वदीप ने चयनित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से मुलाकात कर बच्चों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बेहतर भविष्य का सबसे मजबूत आधार है। कलेक्टर ने अभिभावकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

असम बाढ़ पीड़ितों के लिए कांकेर से बढ़ा मदद का हाथ, 'जन सहयोग' ने सौंपी 31,100 की सहायता राशि

कांकेर। कांकेर पूर्वोत्तर राज्य असम में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कांकेर की सामाजिक संस्था 'जन सहयोग' ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए आर्थिक सहयोग की पहल की है। संस्था ने आम नागरिकों के सहयोग से ?31,100 की राशि एकत्र कर जिला कलेक्टर के माध्यम से असम के बाढ़ प्रभावित लोगों तक पहुंचाने के लिए सौंप दी। संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने बताया कि असम में आई विनाशकारी बाढ़ ने पिछले कई दशकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बाढ़ से हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं और जन-धन की भारी क्षति हुई है। इस आपदा की जानकारी मिलते ही संस्था ने तत्काल राहत अभियान शुरू कर नागरिकों से सहयोग की अपील की, जिसे लोगों का भरपूर समर्थन मिला। राशि प्राप्त करने के दौरान कलेक्टर ने संस्था की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए सहयोग राशि को बढ़ाकर ?51,100 तक भेजने की बात कही, जिसकी उपस्थित लोगों ने प्रशंसा की। संस्था के पदाधिकारियों ने कहा कि बस्तर और कांकेर क्षेत्र स्वयं भी बाढ़ की त्रासदी झेल चुका है। वर्ष 1976 की भीषण बाढ़ की स्मृतियां आज भी लोगों के मन में ताजा हैं। इसी संवेदना के चलते कांकेरवासियों ने असम के पीड़ितों की मदद के लिए आगे आकर सहयोग दिया। इस अभियान में अजय पप्पू मोटवानी के साथ टी. के. जैन, राजकुमार फत्यानी, अनुराग उपाध्याय, दिलीप कुमार गंजीर, संजय मंशानी एवं धर्मेंद्र देव सहित अनेक समाजसेवियों और युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। संस्था 'जन सहयोग' की इस मानवीय पहल की जिलेभर में सराहना की जा रही है।

नेपाल के काठमांडू में नारायणपुर के युवा पत्रकार अभिषेक बेनर्जी को मिला 'अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान-2026'

नेपाल सरकार, बागमती प्रदेश के उद्योग, पर्यटन, श्रम तथा यातायात मंत्री सुरेश श्रेष्ठ के करकमलों से हुए सम्मानित

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के युवा पत्रकार डॉ. अभिषेक बेनर्जी को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 'अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान नेपाल सरकार, बागमती प्रदेश के उद्योग, पर्यटन, श्रम तथा यातायात मंत्री सुरेश श्रेष्ठ के करकमलों से प्रदान किया गया। भारत और नेपाल के बीच पत्रकारिता, सामाजिक सरोकार एवं जनहित के मुददों पर उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए डॉ. बेनर्जी को इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत किया गया। समारोह में दोनों देशों के पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, पर्यटन एवं होटल उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। सम्मान ग्रहण करने के उपरांत डॉ. अभिषेक बेनर्जी ने अपने उदबोधन में कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों का संकलन नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक नैतिक दायित्व है। उन्होंने भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हुए दोनों देशों की मित्रता, सहयोग और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भारत देश के विभिन्न राज्यों से पत्रकार पहुंचे हुए थे नारायणपुर जिले से डॉ बेनर्जी के साथ गए पत्रकार प्रतिनिधिमंडल में सूरज सरकार, मुकेश सिंह एवं अनुज जोशी भी शामिल रहे। सभी ने समारोह में सहभागिता कर जिले का प्रतिनिधित्व किया तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बस्तर की पत्रकारिता की उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. अभिषेक बेनर्जी लंबे समय से बस्तर संभाग, विशेषकर नारायणपुर एवं अबूझमाड़ क्षेत्र के जनसरोकार, आदिवासी संस्कृति, विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाते रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि को बस्तर और छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डॉ. अभिषेक बेनर्जी को यह सम्मान मिलने पर नारायणपुर जिले के जनप्रतिनिधि पत्रकार अधिकारी समेत छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप तथा बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे बस्तर और छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है।

डॉ. अभिषेक बेनर्जी नारायणपुर जिले के पत्रकार, साहित्यकार एवं सामाजिक चिंतक हैं। वर्तमान में वे राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों के जिला प्रतिनिधि तथा छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के संभागीय अध्यक्ष के रूप में सक्रिय हैं। संगठन, पत्रकारिता, साहित्य और उद्यमिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें मानद डॉक्टरेट उपाधि, मीडिया फॉर चिल्ड्रेन अवार्ड (यूनिसेफ), गणेश शंकर विद्यार्थी अलंकरण सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है। अब उनके सम्मान में नेपाल सरकार, बागमती प्रदेश के उद्योग, पर्यटन, श्रम एवं यातायात मंत्री द्वारा प्रदत्त अंतरराष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान-2026 भी जुड़ गया है, जिसने उनके पत्रकारिता जीवन में एक नई उपलब्धि जोड़ दी है।

ङ्कजगदलपुर में विहिप-बजरंग दल का प्रदर्शन, भगवा के अपमान पर फूंका सांसद पप्पू यादव का पुतला

जगदलपुर। संसद परिसर में भगवा वस्त्र पहनकर किए गए कथित प्रदर्शन के विरोध में रविवार को जगदलपुर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद पप्पू यादव का पुतला दहन कर विरोध जताया और इसे सनातन धर्म व संत परंपरा का अपमान बताया। नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए निकली रैली में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी के हाथों में विरोध के नारे लिखे तख्ती थे और वे ÷सनातन धर्म की जय÷ के नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भगवा वस्त्र हमारे धर्म में त्याग और तपस्या का प्रतीक है। संत-महात्मा इसी वेश में समाज सेवा करते हैं। ऐसे में इसका राजनीतिक मंच पर उपहास करना गलत है। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने कहा कि सनातन धर्म और भगवा हमारी पहचान है। इसका अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन हमेशा लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेगा। जिला मंत्री नवीन देवांगन ने कहा कि आम जनता की धार्मिक भावनाओं का सम्मान होना चाहिए। जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी ने कहा कि भगवान श्रीराम और साधु-संतों के प्रति हमारी आस्था अटूट है। जिला संयोजक विष्णु ठाकुर ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल हमेशा धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए काम करते रहेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सामाजिक सौहार्द बनाए रखें। इस दौरान शंकरलाल गुप्ता, नवीन देवांगन, सुरेन्द्र तिवारी, विष्णु ठाकुर,प्रेम चालकी, उमेश राठौर, घनश्याम नाग, प्रतीक गुरु, जगदीश ठाकुर, अजय सिंह, शत्रुघ्न, सूरज पटनायक, अनिल राजपूत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में गौवंश वध का खुलासा, 35.40 किलो गोमांस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले के कोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम दर्रीकापा में गौवंश का वध कर मांस बेचने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों राकेश अनंत और राहुल अनंत के मकान पर छापेमारी कर 35.40 किलोग्राम गोमांस, हड्डियां और अन्य सामग्री बरामद की. मौके से गौवध में इस्तेमाल किए गए 2 खुरपा, 2 टँगिया और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई. प्रारंभिक जांच में आरोप है कि दोनों आरोपी घर में ही गौवंश का वध कर उसका मांस बेच रहे थे. मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 299(3) एवं 5 तथा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 5 और 10 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है

रात दो बजे धधकी शराब दुकान लाखों का स्टॉक जलकर राख शॉर्ट सर्किट की आशंका

बिलासपुर। शहर के व्यापार विहार स्थित अंग्रेजी शराब दुकान में रविवार देर रात भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई. आग की ऊंची लपटें और धुएं का घना गुबार दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए. सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची. दमकल की दो गाड़ियों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग रात करीब दो बजे लगी. कुछ ही देर में दुकान के भीतर रखा शराब का स्टॉक, फर्नीचर और अन्य सामग्री आग की चपेट में आ गई. अधिकांश सामान जलकर राख हो गया. हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. पुलिस के अनुसार सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और दमकल कर्मियों के साथ राहत कार्य शुरू कराया गया. प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है. पुलिस ने बताया कि अभी तक शराब दुकान के प्रबंधन की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है. आग से हुए नुकसान का आकलन संबंधित विभाग और आबकारी विभाग द्वारा किया जाएगा. जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक नुकसान और आग लगने के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी. पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं तथा फॉरेंसिक एवं तकनीकी जांच भी कराई जाएगी. देर रात आग लगने के बाद धुआं आसपास के क्षेत्रों में फैल गया, जिससे लोग घबरा गए. सुरक्षा की दृष्टि से व्यापार विहार और आसपास के कुछ इलाकों की बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई. आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद बिजली आपूर्ति बहाल की गई. आग की चपेट में आने से दुकान में रखा शराब का स्टॉक, फर्नीचर और अन्य सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया. नुकसान का अंतिम आकलन जांच और विभागीय सर्वे के बाद किया जाएगा. घटना के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि आग केवल दुर्घटना थी या इसके पीछे कोई साजिश है. फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है. जांच रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे. तारबाहर टीआई रविंद्र अनंत ने बताया कि रात करीब दो बजे आग लगने की सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची. दमकल की दो गाड़ियों ने लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत होता है, लेकिन मामले की विस्तृत जांच की जा रही है.

बिलासपुर में तैयार हुआ ग्रेन एटीएम, अब उद्घाटन का इंतजार

बिलासपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में ग्रेन एटीएम स्थापित कर दिया गया है. पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के समीप स्थापित यह सीमा 31 जुलाई से पहले तैयार हो गई है. शासन स्तर पर किसी मंत्री के हाथों ग्रेन एटीएम का शुभारंभ कराने की योजना है. इसके लिए बिलासपुर में मशीन उद्घाटन के लिए तैयार खड़ी है. अब सिर्फ फीता कटने और औपचारिक शुभारंभ का इंतजार है. सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और आधुनिक बनाने की दिशा में बिलासपुर जिले में एक नई पहल आकार ले चुकी है. राशन वितरण की पारंपरिक व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए अब जिले में 'ग्रेन एटीएम' की शुरुआत होने जा रही है. इसके लिए पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के समीप मशीन की स्थापना पूरी कर ली गई है. लगभग 30 लाख कीमत की मशीन अब पूरी तरह तैयार है और लोगों को राशन उपलब्ध कराने के लिए उद्घाटन की औपचारिकता पूरी होने का इंतजार कर रही है. जिला प्रशासन की पहल पर खाद्य विभाग ने तय समय सीमा 31 जुलाई से पहले निर्धारित स्थान पर ग्रेन एटीएम की स्थापना कर दी है. माना जा रहा है कि यह व्यवस्था सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ ही राशन वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगी.

टीएल बैठक में फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा, पुल-पुलियों के निरीक्षण, अग्रिस्टेक पंजीयन

बारिश के दौरान जन-सुरक्षा और किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता

■ *15 अगस्त की तैयारियों एवं सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में तेजी लाने के दिए निर्देश*

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में शासन की फ्लैगशिप योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि वर्तमान मानसून के दौरान जन-सुरक्षा तथा किसानों के हित सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लगातार हो रही बारिश को देखते हुए जिले के सभी पुल-पुलियों का तत्काल निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी क्षति या दुर्घटना की आशंका हो, वहां बिना विलंब मरम्मत कराई जाए। बांसाझाल पुल की मरम्मत शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दिए। खरीफ सीजन की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में लगभग 85 प्रतिशत बोनी का कार्य पूरा हो चुका है तथा धान की रोपाई तेजी से जारी है। रोपाई का कार्य 15 अगस्त तक पूर्ण होने की संभावना है। किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। कलेक्टर ने सड़कों पर बैठे मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दिन और रात दोनों समय विशेष निगरानी रखी जाए। आवारा मवेशियों को सुरक्षित रूप से गोठानों तक पहुंचाने की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं वंदे मातरम अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि बाढ़ राहत कार्यों तथा विभागीय दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के नाम 11 अगस्त तक प्रस्तावित किए जाएं। ऐसे कर्मियों को 15 अगस्त के मुख्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले में हुई अच्छी वर्षा से अधिकांश जलाशय भर चुके हैं। यदि किसी जलाशय से पानी छोड़ा जाना हो तो उससे प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के किसानों को पूर्व सूचना देना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनकी फसलों एवं संपत्ति को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे। बैठक में अग्रिस्टेक पंजीयन अभियान की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि आगामी धान खरीदी के लिए किसानों का अग्रिस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। इसलिए समिति स्तर पर आयोजित शिविरों के माध्यम से शत-प्रतिशत पात्र किसानों का समय पर पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, प्रधानमंत्री पोर्टल तथा सुशासन तिहार के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

3 लाख रुपये मूल्य की सोने की अंगूठी यात्री को सकुशल लौटाई

■ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मैकेनिकल विभाग की तत्परता एवं तकनीकी दक्षता से मिली सफलता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा रेल मदद पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में एक और सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया। मैकेनिकल विभाग की तत्परता, तकनीकी दक्षता एवं समर्पित प्रयासों से लगभग 3 लाख रुपये मूल्य की सोने की अंगूठी उसके वास्तविक स्वामी को सुरक्षित वापस सौंप दी गई। घटना के संबंध में, ट्रेन संख्या 20845 बिलासपुर-बीकानेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के एम-1 कोच की लैवेटरी का उपयोग करते समय यात्री श्री मुकेश पालीवाल की सोने की अंगूठी अनजाने में बायो-टॉयलेट में गिर गई। इसके तुरंत बाद यात्री ने रेल मदद पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही मैकेनिकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रेन के बिलासपुर पहुँचने पर संबंधित कोच को अनुरक्षण हेतु कोचिंग डिपो में लिया। वहाँ बायो-टॉयलेट मेंटेनेंस टीम ने विशेष सावधानी एवं तकनीकी विशेषज्ञता के साथ बायो-टॉयलेट टैंक खोलकर गहन जांच प्रारंभ की। बायो-टॉयलेट मेंटेनेंस स्टाफ श्री हेमंत रजक, श्री महेंद्र भार्गव एवं श्री मनोज ने अथक परिश्रम, धैर्य एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए टैंक के एस-ट्रैप से सोने की अंगूठी सुरक्षित बरामद कर ली। यह कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद टीम ने अपनी तकनीकी दक्षता और प्रतिबद्धता से सफलतापूर्वक पूरा किया।

डेढ़ वर्ष के सफल कार्यकाल के बाद संयुक्त कलेक्टर दीवान को भावभीनी विदाई दी....

बिलासपुर। जिला कार्यालय में पदस्थ संयुक्त कलेक्टर श्री अभिषेक दीवान के रायपुर स्थानांतरण पर आज जिला कार्यालय में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्री दीवान का स्थानांतरण रायपुर स्थित सुशासन एवं अभिसरण विभाग में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (ओएसडी) के रूप में हुआ है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने श्री अभिषेक दीवान के लगभग डेढ़ वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कार्यकुशलता, सरल व्यवहार एवं समर्पित कार्यशैली से जिला प्रशासन की विभिन्न योजनाओं और दायित्वों के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने अनुभव और दक्षता से वहां भी उत्कृष्ट कार्य करेंगे।इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से कलेक्टर श्री अग्रवाल ने श्री दीवान को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके सुखद, सफल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।संयुक्त कलेक्टर श्री अभिषेक दीवान ने अपने संबोधन में बिलासपुर में बिताए लगभग डेढ़ वर्ष के सेवाकाल की स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जिले में कार्य करते हुए उन्हें अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सदैव सहयोग और आत्मीयता मिली। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बिलासपुर की यादें उनके लिए सदैव विशेष रहेंगी। विदाई समारोह में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री शिवकुमार बनर्जी सहित जिला प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट द्वारा पूर्व सैनिकों के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित.....

बिलासपुर। मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के रिकॉर्ड्स कार्यालय द्वारा मिशन निरंतर मिलाप के अंतर्गत पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों के लिए विशेष आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों की पेंशन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराना तथा विभिन्न कल्याणकारी सेवाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम को सेवानिवृत्त जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल आशीष पांडे ने संबोधित किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों से संवाद करते हुए उन्हें शासन एवं सेना द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों को ऐसे कार्यक्रमों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लगभग 38 पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों ने भाग लिया। मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट की टीम ने पेंशन एवं स्पर्श पोर्टल से संबंधित शिकायतों और समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। साथ ही जिन मामलों में विस्तृत प्रक्रिया की आवश्यकता थी, उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं कार्रवाई सुनिश्चित की गई। उल्लेखनीय है कि मिशन निरंतर मिलाप के चरण-4 का शुभारंभ 17 जून 2026 को अतिरिक्त महानिदेशक (मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री) मेजर जनरल आर. प्रेम राज कुमार, एसएम, वीएसएम द्वारा किया गया था। इस चरण के अंतर्गत देश के मध्य एवं पूर्वी क्षेत्र के पूर्व सैनिकों तक पहुंचकर उनकी पेंशन संबंधी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यह अभियान लेफ्टिनेंट जनरल पी. एस. शेखावत, पीवीएसएम, एवीएसएम, एसएम, चीफ ऑफ स्टाफ, मुख्यालय दक्षिण-पश्चिमी कमान एवं कर्नल ऑफ द मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। अभियान का नेतृत्व ब्रिगेडियर पी. सुनील कुमार, एसएम', कमांडेंट, एमआईसी एंड एस द्वारा किया जा रहा है तथा इसका क्रियान्वयन लेफ्टिनेंट कर्नल अशोक कुमार, चीफ रिकॉर्ड ऑफिसर के निर्देशन में किया जा रहा है। रेजिमेंट के अधिकारियों ने बताया कि यह पहल आगामी एक वर्ष तक देशभर में निरंतर जारी रहेगी, ताकि अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों को उनके घर के निकट ही पेंशन संबंधी सहायता, मार्गदर्शन और शिकायतों के त्वरित निराकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवन ऐप-रेलवे का डिजिटल साथी

■ रेलवन ऐप की उपयोगिता से अधिकाधिक लोगों को जोड़ने मंडल वाणिज्य विभाग का व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान

■ आज आर्यभट्ट कोचिंग सेंटर बिलासपुर में चलाया गया अभियान

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल यात्रियों को आधुनिक डिजिटल सेवाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा रेलवन ऐप की उपयोगिता को आमजन तक पहुँचाने हेतु निरंतर व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज बिलासपुर स्थित आर्यभट्ट कोचिंग सेंटर में मंडल वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों व स्पेशल टीम द्वारा एक विशेष प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों ने छात्र-छात्राओं को रेलवन ऐप की विशेषताओं एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा अपने मोबाइल में इंस्टॉल करने तथा इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने मोबाइल में इसे डाऊनलोड किया तथा इसे अत्यंत लाभकारी बताया इस दौरान बताया गया कि रेलवन ऐप यात्रियों को एक ही मंच पर कई महत्वपूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराता है,

जिनमें आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, पीएनआर स्थिति की जानकारी, ट्रेन की लाइव लोकेशन, रेल मदद के माध्यम से शिकायत एवं सुझाव दर्ज करने, ऑनलाइन केटरिंग सुविधा सहित रेलवे की अनेक डिजिटल सेवाओं का लाभ शामिल है साथ ही रेलवन ऐप के माध्यम से सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान विकल्पों से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 3 प्रतिशत तक की छूट भी प्रदान की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को तेज, पारदर्शी एवं सुरक्षित डिजिटल सेवाएँ प्राप्त होती हैं, जिससे उनकी यात्रा और भी सहज एवं आरामदायक बनती है। हमारा लक्ष्य है अधिक से अधिक यात्री इस ऐप का उपयोग करें तथा डिजिटलीकरण के लाभ उठाकर रेलवे की सेवाओं का आसानी से लाभान्वित हों ।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

■ नहर सफाई, जलभराव, आवास सहित विभिन्न मामलों पर दिए कार्यवाही के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए ग्राम पंचायत समडील के सरपंच ने नहर में साफ-सफाई से संबंधित समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में मेन बस्ती से होते हुए एक नहर गई है जिसमें कई सालो से साफ-सफाई का कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने शीघ्र नहर की सफाई कराए जाने की मांग की है। इसी प्रकार बिल्हा के ग्राम पंचायत परसदा के सरपंच ने मुक्तिधाम एवं स्कूल परिसर में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से फलदार एवं छायादार पौधे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। आवेदन में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए लगभग एक हजार पौधे उपलब्ध कराने की मांग की गई। सीपत के जितेश कुमार पाटनवार ने स्कूल से निकल रहे दूषित पानी से उसके घर के सामने हो रहे लगातार जलभराव होने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बना हुआ है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक निर्देश देकर स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने की मांग की। वहीं बोदरी निवासी किसान बनवारी लाल वर्मा ने अपनी कृषि भूमि में वर्षा एवं सिंचाई के पानी की उचित निकासी नहीं होने से फसल खराब होने संबंधी ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा। उन्होंने कलेक्टर से स्थल निरीक्षण कराकर स्थायी जल निकासी व्यवस्था कराने का अनुरोध किया, ताकि भविष्य में फसलों को नुकसान न हो। जनदर्शन में अशोक नगर अटल आवास के निवासियों ने आवासों की छत से लगातार पानी टपकने की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बारिश ही नहीं, बल्कि अन्य समय में भी पानी रिसने से घरों में रहना मुश्किल हो गया है। आवासों की गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की गई। सरकण्डा के संजय जाटवर ने कलेक्टर से मुलाकात कर ट्राई सायकल की बैटरी प्रदान करने आवेदन दिया। मस्तुरी की मां भगवती महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों ने एलपीजी गैस का नया कनेक्शन एवं दो गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की। समूह की महिलाओं ने बताया कि वे आजीविका के लिए घर पहुंच टिफिन सेवा संचालित कर रही हैं, लेकिन गैस कनेक्शन नहीं होने से कार्य संचालन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कोटा के ग्राम लालपुर निवासी पूनम यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की अंतिम किस्त की राशि लंबे समय से लंबित होने के कारण आवास निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने एवं समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

शिवजी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय है रुद्राभिषेक

श्रावण माह 30 जुलाई से 28 अगस्त तक रहेगा। इस माह में कई व्रत-त्योहार, जैसे नाग पंचमी, रक्षाबंधन व सावन शिवरात्रि मनाए जाएंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार शिव आराधना का पावन श्रावण माह इस बार 30 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगा। पूरे माह शिव उपासकों को लगातार पूजा-अर्चना का अवसर मिलेगा। शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की पूरी संभावना है। मंदिरों में विशेष आयोजन शुरू हो चुके हैं।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

श्रावण माह में शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है।
रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

सावन का महत्व

हिंदू धर्म में सावन माह को भक्ति, व्रत, और साधना का महिना माना जाता है। मान्यता है कि इस समय सृष्टि का संचालन स्वयं भगवान शिव करते हैं। इस दौरान भक्त सोमवार का व्रत, रुद्राभिषेक, और शिवपुराण पाठ करते हैं। विशेष रूप से कुंवारी कन्याओं द्वारा किए गए सोमवार व्रत को विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने वाला और मनचाहा जीवनसाथी पाने वाला व्रत माना गया है। इस पावन अवसर पर शिव मंदिरों में विशेष सजावट, जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पण और रात्रि जागरण जैसे कार्यक्रमों की तैयारियां भी जोरों पर हैं।

सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है मंगला गौरी व्रत

मंगला गौरी व्रत सावन महीने के हर मंगलवार को रखा जाता है और यह देवी पार्वती जिनका एक नाम गौरी भी है, उन्हें समर्पित है। मंगला गौरी व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए रखती हैं। वहीं, अविवाहित लड़कियां मनपसंद जीवनसाथी और शीघ्र विवाह के लिए यह व्रत रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत रखने से कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और घर में सुख, समृद्धि और शांति बनी रहती है।

मंगला गौरी व्रत का महत्व

- मंगला गौरी व्रत रखने से विवाहित महिलाओं के वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि आती है। इस व्रत को रखने से पति को लंबी आयु मिलती है और उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है।
- ऐसी मान्यता है कि देवी पार्वती जिन्होंने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए घोर तपस्या की थी, इस व्रत को करने वाली सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद देती हैं।
- यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, समझ और तालमेल को बढ़ाता है जिससे गृहस्थी खुशहाल रहती है। अविवाहित कन्याओं के लिए मंगला गौरी व्रत शीघ्र विवाह और मनपसंद जीवनसाथी की प्राप्ति के लिए अत्यंत प्रभावी माना जाता है।
- जो लड़कियां योग्य वर की तलाश में हैं या विवाह में किसी प्रकार की बाधा का सामना कर रही हैं उन्हें यह व्रत पूरी श्रद्धा से करने की सलाह दी जाती है। देवी पार्वती की कृपा से उनकी इच्छाएं पूरी होती हैं और उन्हें सुयोग्य जीवनसाथी मिलता है जो उनके जीवन को सुखमय बनाता है।
- मंगला गौरी व्रत कुंडली में मंगल दोष के नकारात्मक प्रभावों को कम करने में सहायक होता है। मंगल दोष के कारण विवाह में देरी, वैवाहिक जीवन में समस्याएं या अन्य कष्ट आ सकते हैं।
- इस व्रत को करने से मंगल ग्रह के अशुभ प्रभाव शांत होते हैं, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को साहस और आत्मविश्वास भी प्रदान करता है।
- जिन दंपतियों को संतान प्राप्ति में कठिनाई आ रही है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत लाभकारी माना जाता है। देवी पार्वती को मातृत्व और सृजन की देवी माना जाता है।
- इस व्रत को सच्चे मन से करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है और संतान सुख की प्राप्ति में मदद मिलती है। यह व्रत संतान के स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए भी शुभ फलदायी होता है।

आखिर क्यों भगवान शिव को कहा जाता है महाकाल

सावन का महीना शुरू हो गया है। ऐसे में हर तरफ आप भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए लोगों को देखती होंगी। भगवान शिव को कई नामों से पुकारा जाता है। उन्हें महादेव, भोलेनाथ, शंकर, शंभू, आदि नामों से पुकारा जाता है, लेकिन आखिर क्यों उन्हें महाकाल पुकारा जाता है?

आखिर भगवान शिव को यह नाम क्यों मिला?

पौराणिक कथाओं के अनुसार उज्जैन में एक शिव भक्त ब्राह्मण निवास करता था। यहां पर रहने वाले लोग दूषण नाम के राक्षस के प्रकोप से डरते थे। लोग उसे काल के नाम से जानते थे। ब्रह्मा जी से दूषण को कई शक्तियां मिली थी, जिनका दुरुपयोग कर वह निर्दोष लोगों को परेशान करता था। राक्षस की शक्तियों के प्रकोप से ब्राह्मण काफी दुखी था, उसने भगवान शिव से राक्षस के नाश की प्रार्थना की, लेकिन भगवान ने काफी वक्त तक कुछ नहीं किया। प्रार्थनाओं का असर न होता देख एक दिन ब्रह्म भगवान शिव से नाराज हो गए और उनका पूजन बंद कर दिया। अपने ब्राह्मण भक्त को दुखी देख भगवान शिव हुंकार के रूप में प्रकट हुए और दूषण का वध कर दिया। क्योंकि लोग दूषण को काल कहते थे, इसलिए उसके वध के कारण भगवान शिव का नाम महाकाल पड़ा।

क्या होता है महाकाल का मतलब?

काल का मतलब होता है समय और महाकाल का मतलब हुआ है वह जो समय से परे है अथवा उसका नियंत्रणकर्ता है। मान्यताओं के अनुसार, शिव जी प्रलय, विघटन या मृत्यु के देव हैं और वह हमारे समय यानी काल को भी नियंत्रित करते हैं।

महाकाल की पूजा

राक्षस का वध करने के कारण बाबा महाकाल की पूजा का विशेष महत्व होता है। ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से बाबा महाकाल की आराधना करता है, उसे कभी मृत्यु का भय नहीं होता है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लौटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन के मंगला गौरी व्रत के दिन महिलाएं जरूर करें इन चीजों का दान

सनातन धर्म में मंगला गौरी का व्रत माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन विशेष रूप से दान-पुण्य करने का विधान है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं कि किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव के साथ-साथ माता पार्वती को समर्पित होता है। इस पवित्र महीने के दौरान पड़ने वाले हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है। यह व्रत विशेष रूप से सुहागिन स्त्रियों द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए किया जाता है।
कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती हैं। अब ऐसे में जो महिलाएं इस दिन दान-पुण्य कर रही हैं, उन्हें किन चीजों का दान करने से लाभ हो सकता है।

करें हरी चूड़ियों का दान

मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य के लिए रखा जाता है। चूड़ियां सुहाग का प्रतीक होती हैं और इनका दान करने से माता पार्वती प्रसन्न होती हैं, जिससे सुहागिनों को सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद मिलता है। माना जाता है कि मंगला गौरी व्रत के दिन सुहागिन महिला को चूड़ियों का दान करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, शांति और मधुरता आती है। पति-पत्नी के बीच के कलेश दूर होते हैं और संबंध मजबूत होते हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके लिए भी मंगला गौरी व्रत और इस दिन सुहाग की वस्तुओं, विशेषकर चूड़ियों का दान करना बहुत लाभकारी माना जाता है। इससे मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं।

काजल का दान

ज्योतिष शास्त्र में काजल को बुरी नजर से बचाने वाला और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने वाला माना गया है। मंगला गौरी व्रत के दिन काजल का दान करने से वैवाहिक जीवन को लगी बुरी नजर उतर जाती है और दांपत्य जीवन में नकारात्मकता भी नष्ट होने लगती है। मंगला गौरी व्रत मुख्य रूप से सुहागिन महिलाओं द्वारा अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है।

मसूर की दाल का दान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल गौरी व्रत मंगल ग्रह से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए रखा जाता है। मसूर की दाल का संबंध मंगल ग्रह से होता है, और इसे दान करने से कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके विवाह में बाधाएं आती हैं या वैवाहिक जीवन में परेशानियां रहती हैं।
मंगला गौरी व्रत के दिन मसूर की दाल का दान करने से इस दोष का प्रभाव कम होता है और वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है।

मनरेगा से जल संरक्षण की अनूठी पहल : ग्राम पंचायत नगपुरा में दो हजार जल अवशोषण ट्रेंच बने प्रेरणादायी मॉडल

वर्षा जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभिनव पहल

दुर्ग। संचालित 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत जनपद पंचायत दुर्ग की ग्राम पंचायत नगपुरा में मनरेगा अंतर्गत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (जल संरक्षण एवं जल संवर्धन) के तहत विकसित आंवला बगीचे में लगभग 2000 जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण कर वर्षा जल संरक्षण का अनुकरणीय मॉडल विकसित किया गया है।

इस अभिनव पहल से वर्षा जल का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होने के साथ भू-जल पुनर्भरण, पर्यावरण संरक्षण तथा करौंदा बगीचे की उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्व में वर्षा ऋतु के दौरान करौंदा बगीचे में गिरने वाला अधिकांश वर्षा जल बहकर नालों के माध्यम से नदी में चला जाता था, जिससे मिट्टी में पर्याप्त नमी नहीं रह पाती थी और पौधों की वृद्धि प्रभावित होती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए पौधों की कतारों के बीच वैज्ञानिक पद्धति से लगभग दो हजार जल अवशोषण ट्रेंच का निर्माण कराया गया, जिससे वर्षा जल उसी स्थान पर रुककर धीरे-धीरे भूमि में समाहित हो सके। तकनीकी सहायक दीप्ति सिंह द्वारा बताया गया प्रत्येक ट्रेंच की क्षमता लगभग 2 घन मीटर है। इस प्रकार एक बार की अच्छी वर्षा में लगभग 4000 घन मीटर जल का संरक्षण संभव है। यदि वर्षा ऋतु में ट्रेंच कई बार भरते हैं, तो अनुमानित 1.20 लाख घन मीटर वर्षा जल का भू-जल पुनर्भरण किया जा सकता है। इससे भू-जल स्तर में सुधार, मृदा संरक्षण, प्राकृतिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन तथा भविष्य में सिंचाई एवं पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

निर्माण कार्य के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं को रोजगार मिला, जिससे ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि होने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जनभागीदारी भी मजबूत हुई। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि ग्राम पंचायत नगपुरा में विकसित यह मॉडल वर्षा जल के वैज्ञानिक प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण आजीविका संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस प्रकार की नवाचार आधारित पहल अन्य ग्राम पंचायतों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

33 दिन से बंद अंडरब्रिज, सिरसा गेट में 'खानापूर्ति' का आरोप, सुजीत बघेल ने रेलवे प्रशासन को घेरा

भिलाई। भिलाई-3 के सिरसा गेट अंडरब्रिज में चल रहे सीसी रोड निर्माण एवं मरम्मत कार्य की धीमी गति को लेकर कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री सुजीत बघेल ने रेलवे प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। शनिवार को अंडरब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे बघेल ने आरोप लगाया कि काम की गति देखकर ऐसा नहीं लगता कि रेलवे आम जनता की परेशानियों को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि करीब 33 दिन से अंडरब्रिज बंद है, लेकिन मौके पर निर्माण कार्य की रफ्तार बेहद सुस्त दिखाई दी। सीसी रोड का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, जबकि नाली निर्माण सहित कुछ काम शेष हैं। इसके बावजूद आम लोगों के लिए अंडरब्रिज अब तक नहीं खोला गया है। अंडरब्रिज बंद होने के बाद से चरोदा के जी-कैबिन मार्ग को वैकल्पिक रास्ते के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे इस मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कई गुना बढ़ गया है और प्रतिदिन लंबा जाम लग रहा है। इसका असर केवल राहगीरों पर ही नहीं, बल्कि रेलवे कॉलोनी के निवासियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और दैनिक यात्रियों पर भी पड़ रहा है। रेल प्रशासन ने सिरसा गेट अंडरब्रिज को 1 जुलाई से 31 अगस्त तक मरम्मत कार्य के लिए बंद किया है। निर्माण कार्य शुरू होने से पहले मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने स्थानीय नागरिकों के साथ निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी को तय समय से पहले कार्य पूरा करने के निर्देश दिए थे। लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश काम पूरा होने के बावजूद शेष कार्य की गति बेहद धीमी है और जनता को राहत देने की दिशा में कोई गंभीर प्रयास दिखाई नहीं दे रहा। निरीक्षण के बाद सुजीत बघेल ने कहा, यदि रेलवे प्रशासन वास्तव में जनता की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देता तो अंडरब्रिज बंद करने के साथ ही युद्ध स्तर पर काम कराया जाता। लेकिन मौके पर केवल छह-सात मजदूर काम करते मिले, वह भी अधिकांश रंगाई-पुताई में लगे थे। इससे साफ प्रतीत होता है कि काम के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है, जबकि हजारों लोग रोजाना जाम और परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने से मिलती है सफलता : योगेश भाले

सर्वधर्म प्रार्थना के साथ हुआ स्काउट गाइड जाँच शिविर का समापन

पाटन। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ जिला संघ दुर्ग के वार्षिक कार्यक्रमानुसार विकासखंड पाटन में तृतीय सोपान स्काउट गाइड जाँच शिविर का आयोजन स्वामी आत्मानंद कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटन में किया गया। विकासखंड सचिव एवं सहायक शिविर संचालक ललित कुमार बिजौरा ने बताया कि शिविर में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अखरा पाटन, शासकीय हाई / हायर सेकेंडरी स्कूल सिपकोना, कन्या सेलूद, बालक सेलूद, कन्या पाटन, गबदी, दीपशिखा उतई, भनसूली, उरला, धौंराभाठा के 49 स्काउट्स एवं 47 गाइड्स सहित 8 संचालक मंडल सदस्य एवं 4 सर्विस रोवर रेंजर शामिल हुए। शिविर में प्रतिभागियों को स्काउट गाइड के मूलभूत सिद्धांतों, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना गीत, झंडा गीत, आदर्श वाक्य, ध्वज शिष्टाचार, प्राथमिक उपचार, सैल्यूट, बांया हाथ मिलाना, बीपी का इतिहास, गणवेश की जानकारी, पायोनियरिंग, नाट, हिच, लेसिंग, प्रोजेक्ट, स्ट्रेचर के बारे में बताया गया एवं आकलन किया गया। शिविर का समापन योगेश निक्की भाले नगर पंचायत अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य, निशा सोनी पार्षद एवं अध्यक्ष, केवलचन्द देवांगन सभापति नगर पंचायत पाटन, प्रदीप कुमार महिलांगे सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, पी.एल.सिंहा प्राचार्य के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। अतिथियों का स्काउटिंग परम्परा अनुरूप स्कार्फ वागल एवं गुलाब का फूल भेंटकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि स्काउटिंग हमें अनुशासन के साथ साथ जीवन जीने की कला सिखाती है , उन्होंने बच्चों को संदेश देते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने से सफलता अवश्य मिलती है।

भाजपा महिला मोर्चा की परिचयात्मक बैठक संपन्न संगठन विस्तार एवं आगामी कार्यक्रमों पर हुई विस्तृत चर्चा

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर दिया गया विशेष जोर

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिला स्तरीय परिचयात्मक बैठक भाजपा जिला कार्यालय में उत्साह एवं संगठनात्मक वातावरण के बीच संपन्न हुई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की गरिमामयी उपस्थिति एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चन्द्राकर की अध्यक्षता रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में महिला मोर्चा दुर्ग की प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री तिलेश्वरी घुरंघर उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य योगिता सिन्हा, सरिता मिश्रा, माया बेलचंदन एवं ममता देवांगन की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। महिला मोर्चा को बूथ स्तर तक अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, नए कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए व्यापक चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय एवं प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। मुख्य अतिथि तिलेश्वरी घुरंघर ने महिला कार्यकर्ताओं से संगठन की रीति-नीति एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि महिला शक्ति भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के बीच जाकर सेवा, समर्पण एवं संगठन के मूल मंत्र के साथ कार्य करे और पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाए।

चरौदा निगम की एमआईसी बैठक में विकास कार्यों पर लगी मुहर महापौर ने अधिकारियों को दिए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

भिलाई-चरौदा। भिलाई-चरौदा नगर निगम में महापौर परिषद (मेयर इन काउंसिल-एमआईसी)की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर के विकास एवं निर्माण कार्यों से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। साथ ही शहर में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक की शुरुआत निगम सचिव द्वारा की गई, जिन्होंने विषय सूची में शामिल सभी प्रस्तावों की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी। इसके बाद महापौर निर्मल कोसरे की अध्यक्षता में एमआईसी सदस्यों ने एक-एक विषय पर विचार-विमर्श किया और सभी प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक के दौरान महापौर कोसरे ने निगम अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शहर में स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा गुणवत्ता के साथ समय पर कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।

तालाब किनारे बिल्डिंग मटेरियल डम्प करने पर 1000 रुपये का जुर्माना

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थानों पर निर्माण सामग्री डम्प कर आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम के जोन क्रमांक-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक-26 रामनगर मुक्तिधाम तालाब पार क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर बिल्डिंग मटेरियल डम्प किए जाने पर निगम की टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामनगर मुक्तिधाम तालाब पार क्षेत्र में गिट्टी एवं रेत को सार्वजनिक स्थान पर डम्प कर दिया गया था। निर्माण सामग्री के इस प्रकार रखे जाने से आसपास के क्षेत्र में आवागमन प्रभावित हो रहा था तथा नागरिकों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा सड़क किनारे गिट्टी एवं रेत रखे जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ ही दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। मामले की जानकारी मिलने पर नगर निगम की टीम द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सार्वजनिक स्थान पर गिट्टी एवं रेत डम्प किया हुआ पाया गया। निगम की टीम ने संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बाधा शुल्क के रूप में 1000 रुपये का अर्थदण्ड वसूल किया।

नशा मुक्त युवा- विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ, कुलपति ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ

अमलेश्वर। महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग अंतर्गत उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सांकरा में आज नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान पूरे देश में माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ, जिसमें युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनने की अपील की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवि आर. सक्सेना ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक है तथा युवा पीढ़ी को इससे दूर रहकर अपने लक्ष्य एवं राष्ट्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने नशे के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव यशवंत केराम, अधिष्ठाता डॉ. अमित दीक्षित, महाविद्यालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थीगण एवं बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन डॉ. गागेन्द्र सिंह राजपूत, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं युवाओं द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से लोगों को नशा मुक्त जीवन अपनाने और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में इस अभियान को लेकर उत्साह एवं जनजागरूकता का सकारात्मक माहौल देखने को मिला।

राजधानी रायपुर में लोधी क्षत्रिय समाज का जिला स्तरीय लक्ष्य प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम संपन्न

अमलेश्वर। राजधानी रायपुर में लोधी समाज द्वारा लक्ष्य जिला रायपुर इकाई की ओर से लोधी भवन, पंढरी, रायपुर में प्रतिभा सम्मान एवं कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन गरिमा पूर्ण रूप से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बच्चों को मार्गदर्शन देने के लिए वक्ता के रूप में डॉक्टर डी एस परिहार- मोटिवेशनल स्पीकर, विक्रम लोधी- प्रबंधक आजीविका मिशन, अशोक झा-करियर मार्गदर्शक उपस्थित रहे. इस कार्यक्रम में रायपुर जिला के आरंग, उरला, गोगांव, मंदिर हसौद इत्यादि क्षेत्र के पांचवी आठवीं दसवीं बारहवीं एवं खेलकूद में विशेष योग्यता प्राप्त करने वाले 45 बच्चों को मेडल, मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। साथ में सभी बच्चों को कैरियर मार्गदर्शिका पुस्तक भी भेंट की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ लोधी समाज एवं लक्ष्य छत्तीसगढ़ से प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे जिनमें किशोर वर्मा, पूरन सिंह पटेल, सुरेश सिंगौर, मोहन उपारकर, राजेंद्र जंघेल, कृष्ण कुमार सिंगौर, पंचूराम वर्मा, प्रकाश जांघेल, सूरज लोधी, टिकू लोधी, विक्की जंघेल, संतोष बेलगहे, लक्ष्मी नारायण लोधी, शैलेंद्र लोधी, टेकराम लोधी, मती राजेश्वरी जंघेल, पंपा चंदेल, आशा जंघेल, शांता जंघेल, लक्ष्मी जंघेल, कौशल्या जंघेल, चंद्रकला जंघेल, शिवेंद्र बघेल, एचएल बिसाने, दीपक जंघेल, नरेन्द्र जंघेल, देवराज जंघेल, बालमुकुंद चंदेल, ओम जंघेल सहित समाज के अनेक महिला पुरुष पदाधिकारीगण सदस्य एवं बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत बैज पहना कर एवं लोधी पटका भेंट कर रायपुर जिला लोधी समाज के अध्यक्ष तेजशंकर जंघेल, महासचिव दीपक जंघेल एवं प्रदेश महासचिव के.के. सिंगौर एवं कार्यकारणी अध्यक्ष नरेंद्र जंघेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अशोक वर्मा के द्वारा किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई, सामाजिक सहभागिता, तकनीकी प्रयोग एवं नैतिक शिक्षा के बारे में ज्ञान दिया गया। वक्ताओं के उद्बोधन के पश्चात समाज के सदस्यों में किशोर वर्मा, पूरन सिंह पटेल, सुरेश सिंगौर, दीनूराम वर्मा इत्यादि ने भी बच्चों को मंच के माध्यम से आशीर्वाद वचन दिया।

जलभराव वाले क्षेत्रों में एंटी लार्वा दवा, जले ऑयल और जैल का छिड़काव शुरू

डेंगू-मलेरिया पर नगर निगम का प्रहार : डेंगू के खिलाफ निगम का अभियान तेज

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को मिली रफ्तार, महापौर के निर्देश पर शहरभर में मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के विशेष इंतजाम

दुर्ग। वर्षा ऋ तु में डेंगू, मलेरिया एवं चिकनगुनिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा महापौर अलका बाघमार के निर्देश पर सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को शहरभर में तेज गति से संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत जलभराव वाले क्षेत्रों, निचले इलाकों, नालियों, खाली भूखंडों तथा ऐसे स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जहां वर्षा का पानी जमा होने से मच्छरों के पनपने की संभावना रहती है। महापौर अलका बाघमार के निर्देशानुसार पर स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता के नेतृत्व में स्वच्छता टीमों द्वारा विभिन्न वार्डों में लगातार एंटी लार्वा दवा, टेमेफोस, जले ऑयल एवं लार्वा नियंत्रण जैल का छिड़काव किया जा रहा है। इन उपायों से पानी में पनपने वाले मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों के फैलाव को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बारिश के मौसम में थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर बीमारी का कारण बन सकती है। इसलिए निगम की टीमों को संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित छिड़काव, साफ-सफाई और निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें तथा स्वच्छता बनाए रखने में निगम का सहयोग करें। नगर निगम द्वारा लोगों को जागरूक करते हुए कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों, टूटे बर्तनों एवं अन्य जल संग्रहित करने वाले पात्रों की नियमित सफाई करने तथा सप्ताह में कम से कम एक बार उनका पानी बदलने की सलाह दी जा रही है। यदि किसी सार्वजनिक स्थान पर जलभराव या गंदगी दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को देने की अपील भी की गई है। नगर पालिक निगम, दुर्ग ने नागरिकों से सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह करते हुए कहा है कि जनसहयोग से ही स्वच्छ, स्वस्थ एवं डेंगू-मुक्त दुर्ग का निर्माण संभव है।

आयुक्त के निर्देश पर शहरभर में नालियों की सफाई अभियान तेज

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की शहर में वर्षा जल की सुचारु निकासी सुनिश्चित करने के लिए सभी जोनों में नालियों की व्यापक सफाई कराई जा रही है। बरसात के दौरान जलभराव की स्थिति से मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है, जिससे नागरिकों को भी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन द्वारा सफाई कर्मियों की टीम लगाकर छोटी एवं बड़ी नालियों की नियमित सफाई कराई जा रही है। सफाई के दौरान नालियों से निकाले गए गाद एवं कचरे मलबे को तत्काल हटाकर उसका उचित निस्तारण भी किया जा रहा है, ताकि दोबारा नालियां अवरुद्ध न हों। नगर निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे नालियों में कचरा एवं प्लास्टिक सामग्री न डालें तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर बनाने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com